卐 श्री सदगुरू देवाय नमः卐 卐ओ३म्卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यःशोकवह्नि जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारूत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त
हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 25 ♦अंक 293 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर (ऊधमसिंहनगर) ♦मंगलवार ♦29 जुलाई 2025 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com | 9897427585 | UTTARANCHAL DARPAN | www.uttaranchaldarpan.in

GAGNEJA PROPERTIES
CONTACT FOR SALE, PURCHASE RENT & LEASE
✔ Shops ✔ Houses
✔ Industrial Property
✔ Commercial Property
✔ Agriculture Land
REAL ESTATE WITHOUT THE HASSLE
MO.-8630672525,8279444462
ADD- SRA F69, Shop No.4, Adarsh Colony, Rudrapur

सरकार प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध: धामी

खटीमा में 26.23 करोड़ से निर्मित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

खटीमा (उद संवाददाता)।सूबे के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 26.23 करोड़ से नवनिर्मित केंद्रीय विद्यालय खटीमा का लोकार्पण किया। उन्होंने माँ सरस्वती की पूजा अर्चना व दीप प्रज्जवलित कर लोकार्पण कार्यक्रम शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में पहुँचने पर केंद्रीय विद्यालय परिवार ने अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर माननीय मुख्यमंत्री का स्वागत किया व केंद्रीय विद्यालय निर्माण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए। कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय खटीमा के परिसर में पौधरोपण भी किया। अखिल भारतीय शिक्षा समागम कार्यक्रम के अंतर्गत केंद्रीय विद्यालय भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का यह क्षण हम सभी के लिए अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है कि जब देश में शिक्षा क्षेत्र में आई नई क्रांति के 5 वर्ष (शेष पृष्ठ सात पर)

मरीज की मौत पर जिला चिकित्सालय में परिजनों का हंगामा

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। मंगलवार प्रातः जिला चिकित्सालय में दिनेशपुर के

ग्राम निमाई पाड़ा राधाकांतपुर से परिजनों द्वारा उपचार के लिए लाये गये एक मरीज की उपचार के दौरान हुई मौत के पश्चात परिजनों ने उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा काटा। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस ने चिकित्सालय पहुंचकर परिजनों को समझाबुझा कर शांत किया और शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। जहां पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने जिला चिकित्सालय की व्यवस्थाओं पर कई प्रश्न चिन्ह खड़े करते हुए अधिकारियों को इसके लिए जिम्मेवार बताया। मिली जानकारी के अनुसार दिनेशपुर के ग्राम निमाई पाड़ा राधाकांतपुर निवासी लगभग 40 वर्षीय सपन शील पुत्र कालीपद शील का स्वास्थ्य अचानक तेजी से बिगड़ गया। जिस पर उसके परिजन उसे उपचार के लिए तड़के करीब 4 बजे यहां जिला चिकित्सालय लेकर आये। चिकित्सालय में उपचार के दौरान उनकी मौत हो जाने पर परिजनों में रोष भड़क गया। उन्होंने चिकित्सा में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा करना शुरू कर दिया। उनका आरोप था कि डाक्टर की गैर मौजूदगी में स्टॉफ के रूप में एक लड़के ने सपनशील को गलत ढ़ंग से टीका लगाया था इतना ही नहीं स्टॉफ कभी सपन (शेष पृष्ठ सात पर)

किच्छा मार्ग पर भिड़े तीन वाहन, बड़ा हादसा टला

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। किच्छा मार्ग पर भूतबंगला गेट के पास तीन वाहनों की आपस में भिड़न्त हो गई। हालांकि इस दुर्घटना में वाहनों में सवार किसी भी व्यक्ति को गंभीर चोट नहीं आई है। लेकिन एक बड़ा हादसा होने से टल गया। जानकारी के अनुसार मंगलवार प्रातः किच्छा मार्ग पर निजी अस्पताल में कार्यरत चिकित्सक अपनी कार संख्या

24 बीएच4 177 एफ में सवार होकर अस्पताल की ओर जा रहे थे। मार्ग में भूतबंगला गेट के पास सामने से जाती कार संख्या यूके 06 बीएफ 8811 के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दी। जिससे चिकित्सक की कार उस कार के (शेष पृष्ठ सात पर)

गुलदार के हमले में महिला और युवक गंभीर

श्रीनगर/रुद्रप्रयाग। पहाड़ी क्षेत्रों में गुलदार का आतंक थमने का नाम नहीं ले

रहा है। मंगलवार को पौड़ी जिले के श्रीनगर क्षेत्र और रुद्रप्रयाग जिले के अगस्त्यमुनि ब्लॉक में गुलदार ने दो अलग-अलग स्थानों पर हमला कर एक युवक और एक महिला को गंभीर रूप से घायल कर दिया। दोनों घटनाओं से स्थानीय जनमानस में भारी दहशत और आक्रोश का माहौल है। पहली घटना श्रीनगर के गंगादर्शन क्षेत्र के समीप हुई, जहां मंगलवार सुबह करीब साढ़े छह बजे झाड़ियों में छिपे गुलदार ने शौच के लिए जा रहे एक युवक पर अचानक झपट्टा मार दिया। घायल (शेष पृष्ठ सात पर)

पड़ोसी ने लगाया करंट महिला की दर्दनाक मौत

सितारगंज (उद संवाददाता)। ग्राम पंडरी में पड़ोसी ने सब्जी में करंट फैला दिया। भैंस लेकर खेत से गुजरी महिला करंट की चपेट में आ गई। जिससे महिला की करंट लगने से मौत हो गई। करंट से भैंस भी मर गई। परिजन महिला के शव को

लेकर अस्पताल पहुंचे। यहां पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया। परिजनों ने पड़ोसी पर दो दिन पूर्व हुए विवाद के बाद जान से मारने की धमकी का आरोप लगाते हुए महिला की हत्या का आरोप लगाया हैं। मृतका अपने पीछे तीन बेटी और एक बेटे को छोड़कर गई हैं। ग्राम पंडरी निवासी बाबू शाह ने आरोप लगाया कि उनकी 50 वर्षीय पत्नी हमशीरन मंगलवार की सुबह घर के पीछे खेत में पहुंची भैंस को लेकर जा रही थीं। पड़ोसी ने खेत में जानलेवा करंट फैला रखा था। जिसकी चपेट में आकर उनकी पत्नी और मवेशी की मौत हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि पड़ोसियों ने दो दिन पहले ही उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी थी। (शेष पृष्ठ सात पर)

जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर भाजपा का कब्जा तय!

उधम सिंह नगर में सबसे ज्यादा सीटों पर भाजपा का होगा कब्जा

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो चुका है और अब सबकी निगाहें 31 जुलाई से शुरू हो रही मतगणना पर टिकी हैं। मतदान के बाद जो राजनीतिक समीकरण उभरे हैं, उनसे यह लगभग स्पष्ट हो चुका है कि जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर इस बार भी भाजपा का कब्जा होना तय माना जा रहा है। उधम सिंह नगर जिले में कुल 35 जिला पंचायत वार्ड हैं। इनमें से अधिकतर वार्डों में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिला, जबकि करीब सात वार्डों में निर्दलीय उम्मीदवारों ने चुनाव को त्रिकोणीय बना दिया और मुकाबला दिलचस्प हो गया। कुछ क्षेत्रों जैसे एचटा में भाजपा के भीतर ही आपसी टकराव सामने आया, जहां पार्टी के दो उम्मीदवार आमने-सामने थे। वहीं गोविंद नगर, गुरुग्राम, नकुलिया और खानपुर जैसे क्षेत्रों में भाजपा और निर्दलीयों के बीच जबरदस्त टक्कर देखी गई। उत्तरांचल दर्पण के चुनाव पूर्व सर्वेक्षण के अनुसार, भाजपा समर्थित 17 से 20 उम्मीदवार, कांग्रेस समर्थित 14 से 17 और निर्दलीय 4 से 6 वार्डों में जीत हासिल कर सकते हैं। यह आंकड़ा साफ संकेत दे रहा है कि भाजपा बहुमत के आंकड़े के करीब है। वहीं निर्दलीय उम्मीदवारों का रुझान भी भाजपा की ओर दिखाई दे रहा है। अगर भाजपा को निर्दलीयों का समर्थन मिल जाता है तो अध्यक्ष पद की राह उसके लिए और भी आसान हो जाएगी। यानी इस बार भी जिला पंचायत में कमल खिलने के पूरे आसार हैं।अब सभी की नजरें 31 जुलाई की मतगणना पर टिकी हैं, जो तय करेगी कि सत्ता की कुर्सी पर कौन बैठेगा।

किस ब्लॉक में किसको कितनी सीटें !

उधम सिंह नगर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के मतदान के बाद अब सभी की निगाहें 31 जुलाई से शुरू हो रही मतगणना पर टिकी हैं। शुरुआती समीकरण और ग्राउंड रिपोर्ट के आधार पर स्पष्ट हो गया है कि इस बार भी जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर भाजपा का कब्जा तय माना जा रहा है। जिले की 35 जिला पंचायत सीटों में से सबसे अधिक सीटें भाजपा समर्थित उम्मीदवारों के खाते में जाती नजर आ रही हैं। ब्लॉकवार संभावित स्थिति में खटीमा ब्लॉक की 6 में से 4 सीटों पर भाजपा, जबकि कांग्रेस और निर्दलीय को 2 सीटें मिलने की संभावना है। नानकमत्ता व सितारगंज ब्लॉक की 7 में से 5 सीटों पर भाजपा, शेष 2 पर कांग्रेस और निर्दलीय का दबदबा हो सकता है। किच्छा और रूद्रपुर ब्लाक की चार सीटों में जिसमें भंगा जिला पंचायत क्षेत्र भी शामिल है। कांग्रेस को दो और भाजपा एवं निर्दलीय को एक एक सीट मिलने की संभावना है। गदरपुर ब्लॉक में जिसमें खानपुर पूर्व क्षेत्र भी शामिल है की 5 में से 3 सीटें भाजपा के पक्ष में, जबकि कांग्रेस व निर्दलीय को 2 सीटों (शेष पृष्ठ सात पर)

दबंगों द्वारा बहनों के साथ अभद्रता का विरोध करना भाइयों को पड़ा महंगा

दबंगों ने हमला कर किया गंभीर रूप से घायल

किच्छा(उद संवाददाता)। कोतवाली अंतर्गत क्षेत्र में दबंगों द्वारा दुकान के से सामान लेने गई बहनों के साथ अभद्रता किए जाने तथा अभद्रता का विरोध करने पर भाइयों के साथ मारपीट किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित के अनुसार आरोपियों द्वारा एक माह पूर्व भी पीड़ित पक्ष के साथ मारपीट की गई थी। फिलहाल पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार कोतवाली अंतर्गत चीनी मिल कॉलोनी में दबंगों द्वारा बहनों के साथ अभद्रता किए जाने का विरोध करना पीड़ित भाइयों को महंगा पड़ गया। पुलिस को दी शिकायत में चीनी मिल कॉलोनी, सिसई, थाना किच्छा निवासी दीपक पुत्र दिलीप ने बताया कि 26 जुलाई की रात्रि करीब 9:30 बजे पीड़ित की बहनें वार्ड स्थित दुकान से सामान लेने गई थी। इसी दौरान दुकान के निकट मौजूद कॉलोनी निवासीगण राहुल, विपिन, गौतम, बिट्टू एवं सुनील द्वारा पीड़ित की बहनों के साथ अभद्रता व गाली गलौज की गई। अचानक हुई घटना से भयभीत दोनों बहनें बिना सामान लिए,जान बचाकर घर लौट आई और परिजनों को घटना से अवगत कराया। पीड़ित के अनुसार घटना की जानकारी पर पीड़ित दीपक अपने भाई हर्वेश के साथ आरोपियों से बात करने के लिए मौके पर पहुंच गया। आरोप है कि आरोपियों ने पीड़ित से गाली गलौज करते हुए अभद्रता शुरू कर दी तथा विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी डंडों से हमला कर दोनों भाइयों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके बाद दोनों भाई जान बचाकर किसी तरह घर पहुंच गए। पीड़ित के अनुसार घटना की सूचना पर पीड़ित का भाई सन्नी उन्हें खोजता हुआ बचाने की नीयत से मौके पर पहुंच गया। लेकिन आरोपियों ने पीड़ित के भाई सन्नी को पकड़ लिया और लाठी डंडों से हमला कर उसे भी घायल कर दिया। आरोप है कि करीब 1 महीने पूर्व भी आरोपियों द्वारा पीड़ित पक्ष के साथ मारपीट की गई थी, जिसमें स्थानीय वरिष्ठ लोगों द्वारा दोनों पक्षों के बीच सुलह समझौता करा दिया गया था। बताया कि आरोपीगण दबंग किस्म के बलशाली लोग हैं तथा आए दिन मारपीट कर स्थानीय लोगों को धमकाने का काम करते हैं। पीड़ित ने आरोपियों पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है तथा घटना के बाद पीड़ित एवं उसके परिवार को जान माल का खतरा बना हुआ है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

किच्छा में ड्रोन और संदिग्ध व्यक्ति दिखने से हड़कम्प

पुलिस को दी जानकारी,वार्ड में पुलिस गश्त बढ़ाने की उठाई मांग

किच्छा(उद संवाददाता)। नगर के पुरानी गल्ला मंडी क्षेत्र में घरों के ऊपर ड्रोन देखे जाने के बाद स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। इस दौरान चोरों द्वारा ड्रोन के माध्यम से चोरी की वारदातों को अंजाम दिए जाने की चर्चाओं से स्थानीय लोग दहशत में आ गए। बताया जा रहा है कि इस दौरान वार्ड में पांच संदिग्ध लोगों के आने की सूचना पर क्षेत्रवासियों ने उनकी तलाश शुरू कर दी, लेकिन काफी प्रयास के बाद भी संदिग्ध लोग पकड़ में नहीं आए। व्यापारी नेता गोल्डी के नेतृत्व में तमाम क्षेत्रवासियों ने कोतवाली पहुंचकर घटना की जानकारी दी और रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की। जानकारी के अनुसार देवभूमि व्यापार मंडल के कार्यकारी नगर अध्यक्ष एवं वार्ड सभासद प्रतिनिधि जगरूप सिंह गोल्डी के नेतृत्व में तमाम वार्डवासी कोतवाली पहुंचे और वरिष्ठ उप निरीक्षक राजेंद्र पंत को पूरे मामले से अवगत कराया। वार्ड वासियों के अनुसार देर रात्रि नगर की पुरानी गल्ला मंडी वार्ड नंबर 6 में स्थानीय लोगों ने अपने घरों के ऊपर संदिग्ध अवस्था में ड्रोन उड़ता देखा। उन्होंने आरोप लगाया कि काफी देर तक वार्ड क्षेत्र में ड्रोन उड़ता रहा और कुछ लोगों ने पांच संदिग्ध लोगों को भी वार्ड में घूमते हुए देखे जाने की बात कही। बताया कि संदिग्ध लोगों के वार्ड में आने की सूचना से स्थानीय लोग भयभीत हो गए और अलग-अलग टोली बनाकर पूरे वार्ड में तलाशी अभियान चलाकर संदिग्ध लोगों का पकड़ने का प्रयास किया। वार्ड वासियों ने बताया कि काफी खोज के बाद भी कोई संदिग्ध उनके हाथ नहीं लगा। फिलहाल वार्ड वासियों ने उप निरीक्षक राजेंद्र पंत से पूरे मामले की जांच करने तथा रात्रि के समय वार्ड में पुलिस की गश्त बढ़ाने की मांग की है। उपनिरीक्षक पंत ने क्षेत्रवासियों को कार्रवाई का भरोसा दिलाते हुए वार्ड में पुलिस की गश्त तेज करने का आश्वासन देते हुए शांत किया। उन्होंने वार्ड वासियों से अपील करते हुए कहा कि कहा कि वार्ड में ड्रोन एवं कोई भी संदिग्ध व्यक्ति दिखने के बाद स्थानीय लोगों द्वारा तुरंत पुलिस को सूचित किया जाए। मौके पर तमाम वार्ड वासी मौजूद रहे।

आचार्य अग्निहोत्री ने सुनाई प्रियव्रत,ऋषभदेव और जड़ भरत की गाथा

गदरपुर(उद संवाददाता)। श्री सनातन धर्म मंदिर, बुध बाजार में श्रावण मास के उपलक्ष्य में आयोजित धर्मकथा श्रृंखला में सोमवार को श्रद्धा और आस्था का अनुपम संगम देखने को मिला। कथा वाचक आचार्य पंडित शिव प्रसाद अग्निहोत्री जी ने श्रोताओं को राजा प्रियव्रत, भगवान ऋषभदेव और जड़ भरत से संबंधित प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन सुनाया, जिसे सुनकर उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। आचार्य शिव प्रसाद जी ने कहा कि महर्षि व्यास द्वारा वर्णित यह कथा ब्रह्मांडीय संरचना और मानव धर्म के मूल सिद्धांतों को समझाने वाली है। उन्होंने बताया कि मनु महाराज के पुत्र प्रियव्रत एक अत्यंत तेजस्वी और दिव्य दृष्टि वाले सम्राट थे। अपने तेजोमय रथ पर सवार होकर उन्होंने पृथ्वी की सात परिक्रमाएं कीं, जिसके फलस्वरूप सात समुद्र और सप्तद्वीपों की रचना हुई। उन्हीं में से जंबूद्वीप से अजनाभ खंड की उत्पत्ति हुई, जिसे वर्तमान में भारतवर्ष के नाम से जाना जाता है। उन्होंने आगे बताया कि इसी वंश में भगवान ऋषभ देव का जन्म हुआ, जिन्होंने जैन धर्म की स्थापना की और जिन्हें अध्यात्म जगत में महान योगी और तपस्वी के रूप में जाना जाता है। भगवान ऋषभ के पुत्र भरत, जिनके नाम पर इस देश का नाम 'भारतवर्ष' पड़ा, और उनके पुत्र जड़ भरत की कथा का भी उल्लेख किया गया। उन्होंने जड़ भरत के जीवन से शिक्षा लेते हुए कहा कि आत्मज्ञान और वैराग्य का मार्ग ही मोक्ष की ओर ले जाता है। इस अवसर पर विशेष प्रसाद सेवा का आयोजन किया गया, जिसकी व्यवस्था श्रद्धालु राकेश रस्तोगी एवं योगेंद्र शर्मा के परिवार द्वारा संयुक्त रूप से की गई। मंदिर समिति द्वारा उन्हें इस पुण्य कार्य के लिए सम्मानित भी किया गया। मंदिर के अध्यक्ष राजू सिंधी ने कहा कि सावन मास में भगवान शिव की कथा और पूजा से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। संरक्षक अजीत भुसरी ने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे इस आध्यात्मिक आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर अपने जीवन को धर्ममय बनाएं। समाजसेवी प्रीति मदान और नीलू कोचर ने भी श्रावण मास में कथा आयोजन को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। कार्यक्रम में भावना ठाकुर, माया गंगवार, उषा राजपूत, निधि तेजवानी सहित अनेक श्रद्धालु अपनी नियमित उपस्थिति और सेवा के साथ आयोजन को सफल बना रहे हैं। मंदिर समिति ने सभी सहयोगियों, भक्तों एवं कथा रसिकों का आभार प्रकट किया और आने वाले दिवसों में भी इसी प्रकार की भागीदारी की अपेक्षा जताई।

तीज उत्सव में रचना सक्सेना चुनी गयी तीज क्वीन

किच्छा(उद संवाददाता)। नगर स्थित दिशा स्कूल में तीज का पर्व हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और तमाम तरह की आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया। आयोजित प्रतियोगिता में रचना सक्सेना को तीज क्वीन, सरस्वती सरकार को डांसिंग क्वीन एवं निहारिका को सिंगिंग क्वीन चुना गया। कार्यक्रम आयोजक अंजिता सिंह ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर तथा तीज क्वीन रचना सक्सेना को मुकुट पहनाकर सम्मानित करते हुए उनका उत्साह वर्धन किया। नगर के रुद्रपुर मार्ग स्थित दिशा पब्लिक स्कूल में तीज पर्व के अवसर पर तीज महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ महिलाओं द्वारा संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया गया। आयोजित कार्यक्रम में रैंप वॉक, नृत्य प्रतियोगिता, गायन प्रतियोगिता, मेहंदी प्रतियोगिता सहित कई अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कार्यक्रम में प्रतिभागी महिलाओं ने बड़े उत्साह से हिस्सा लिया। इस मौके पर महिलाओं द्वारा साज श्रृंगार, आधुनिक परिधान, सूट सलवार, फैंसी ड्रेस, खान-पान सहित कई स्टाल भी लगाई गई। स्टॉल पर महिलाओं ने जमकर खरीदारी की। कार्यक्रम आयोजक एवं दिशा स्कूल की प्रबंधक अंजिता सिंह ने कहा कि उनके द्वारा विगत तीन वर्षों से तीज पर्व के अवसर पर महिलाओं को जागरूक एवं एकजुट करने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रोजमर्रा के घरेलू कामों के अलावा महिलाओं को अपने लिए भी कुछ समय निकालकर अन्य महिलाओं से संपर्क कर जागरुक किए जाने की जरूरत है। मौके पर स्वरा सरकार, ज्योति शर्मा, बिंदु चौधरी, कुसुम सक्सेना, शालिनी श्रीवास्तव, प्रियंका मिश्रा, खुशबू, एलिस, अनीता, उमरा, पूजा चौहान, ममता नेगी, जानवी, नेहा रानी, प्रीति रानी आदि मौजूद रहे।

सड़क निर्माण का किया शुभारंभ

गदरपुर(उद संवाददाता) । वार्ड न.11 बस अड्डा कालोनी मे सुरेश के मकान तक 14.94 लाख की लागत से 155 मीटर रोड निर्माण कार्य का शुभारम्भ नगरपालिका अध्यक्ष मनोज गुम्बर मिंटू के द्वारा किया गया । मनोज गुंबर ने कहा ,पूरे पालिका क्षेत्र में कहीं पर भी विकास कार्यों में कमी नहीं आने दी जाएगी उन्होंने सभी नगर वासियों से कूड़ा कचरा नाली में एवं सार्वजनिक स्थानों पर ना फेंकने की अपील करते हुए कचरा पालिका के कचरा वाहन में ही डालने की अपील की। इस दौरान सभासद प्रतिनिधी ब्रजेश चौधरी,वरिष्ठ भाजपा नेत्री कुलबीरी चौधरी,डॉ गोपाल श्रीवास्तव,महक चौधरी,गोपाल सक्सेना,हरकेश चन्द्रा,सुरेश वर्मा, दीपक ग्रोवर,इंतेजा अली,अजमत अली, आकाश कोचर सहित कई लोग मौजूद रहे ।

डा. उप्रेती ने किया अंग व नेत्रदान के लिए जागरूक

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। नेत्रदान केंद्र अध्यक्ष और स्वास्थ्य विभाग के पूर्व निदेशक डॉ. ललित मोहन उप्रेती ने आयोजित एक कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को अंगदान और नेत्रदान के लिए जागरूक करते उन्हें इस नेक कार्य को करने के लिए आगे आने का आह्वान किया। । पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय में सोमवार को इस विषय पर शिविर का आयोजन किया गया था। डॉ. उप्रेती ने पीपीटी के माध्यम से अंगदान व नेत्रदान के महत्व पर विस्तार से जानकारी देते हुए इस सन्दर्भ में भ्रांतियों को दूर किया। उन्होंने बताया कि आज समाज में जीवित रहते हुए हजारों लोग अपने नेत्रदान के साथ ही देहदान का संकल्प पत्र भरकर दे रहे हैं। उनके निधन के पश्चात उनके परिजन उचित माध्यम से इस संकल्प को पूरा कर रहे हैं। डा. उप्रेती ने बताया कि अंगदान व नेत्रदान से लाखों लोगों को नया जीवन मिल जाता है। इस मौके पर प्राचार्य कंचन जोशी, उप प्राचार्य पीके विद्यार्थी, संजीव कुमार, पूजा सुयाल, मोहन सुयाल, सौरभ बनकोटी आदि उपस्थित थे।

गदरपुर के मतदान केंद्र संख्या 84 पर 92 प्रतिशत शांतिपूर्ण मतदान

गदरपुर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तहत गदरपुर विकासखंड के मतदान केंद्र संख्या 84,राजकीय प्राथमिक विद्यालय खानपुर पश्चिम (कक्ष संख्या-02) पर 28 जुलाई 2025 को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक पुनर्मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। इस केंद्र पर कुल 92 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। यह जानकारी निर्वाचन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने दी। ज्ञात हो कि 24 जुलाई को हुए मतदान के दौरान इस केंद्र पर जिला पंचायत सदस्य पद के निर्दलीय प्रत्याशी संजय चतुर्वेदी के चुनाव चिन्ह वाले बैलेट पेपर फटे हुए पाए गए थे। इस पर संजय चतुर्वेदी ने सेक्टर मजिस्ट्रेट से शिकायत करते हुए पीठासीन अधिकारी पर लापरवाही का आरोप लगाया और जांच की मांग की थी। शिकायत की जांच के बाद राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर पुनर्मतदान का निर्णय लिया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने विकासखंड गदरपुर के आरओ और बीडीओ को निर्देशित किया था कि पुनर्मतदान की सूचना सभी संबंधित प्रत्याशियों और मतदाताओं तक पहुंचाई जाए। प्रचार के लिए ढोल-नगाड़ों समेत अन्य माध्यमों का उपयोग करने को कहा गया था,ताकि अधिक से अधिक मतदाता मतदान कर सकें। निर्वाचन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि बैलेट पेपर फटने की शिकायत की जांच के उपरांत ही पुनर्मतदान का निर्णय लिया गया था।

आईजी ने की मतदान प्रक्रिया की सघन मॉनिटरिंग

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के द्वितीय चरण के अंतर्गत सोमवार को कुमाऊँ परिक्षेत्र में मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने हेतु पुलिस महानिरीक्षक कुमायूँ परिक्षेत्र, श्रीमती रिद्धिम अग्रवाल द्वारा रियलिटी चेक करते हुए पूरे चुनावी संचालन की लगातार निगरानी की गई। आई.जी. कुमायूँ द्वारा सुबह से ही सभी जोनल एवं सेक्टर प्रभारियों, जनपद प्रभारियों तथा फील्ड में तैनात पुलिस बल से हर एक घंटा के अंतराल पर प्रत्यक्ष जानकारी ली गई, जिससे मतदान केंद्रों की स्थिति, कानून व्यवस्था की स्थिति, महिला सुरक्षा, बूथों पर उपस्थिति, भीड़ नियंत्रण और आपात प्रबंधन की तैयारियों का रियल टाइम मूल्यांकन किया जा सके।

गदरपुर जिला पंचायत सीटों पर रोचक हुआ चुनावी घमासान

समीकरणों के लिहाज से पांच सीटों में चार सीटों पर भाजपा मजबूत,एक सीट पर कांग्रेस या निर्दलीय का रह सकता है कब्जा

गदरपुर(उद संवाददाता)। जिला पंचायत सदस्य की सीटों पर मुकाबला कांटे का हो चला है गदरपुर जिला पंचायत सदस्य पद के लिए प्रथम चरण में 24 जुलाई को चुनाव संपन्न हो गए हैं किन्ही कारणों की वजह से खेमपुर 20 जिला पंचायत सीट पर खानपुर पश्चिम बूथ नंबर 84 पर दूसरे चरण 28 जुलाई को शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हुआ है। गदरपुर ब्लॉक क्षेत्र की पांच जिला पंचायत सीटों में से चार पर भाजपा के समर्थित जिला पंचायत सदस्य अपनी जीत को लेकर आश्वस्त नजर आ रहे हैं वही किन्ही दो सीटों में से एक पर निर्दलीय या कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी विजय हो सकते हैं। आपको बता दे की खटोला क्षेत्र 18 जिला पंचायत सीट से भाजपा समर्थित प्रत्याशी राकेश सिंह, दीपा देवी कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी और मुकेश सिंह निर्दलीय प्रत्याशी के बीच त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है तीनों ही प्रत्याशी अपनी अपनी जीत को लेकर दावे जरूर कर रहे हैं लेकिन 18 खटोला सीट की जनता ने बताया कि भाजपा समर्थित प्रत्याशी राकेश सिंह सबसे मजबूत प्रत्याशी साबित होंगे, वहीं वरीराई क्षेत्र 19 सीट से कांग्रेस ने अपना प्रत्याशी बबीता देवराड़ी को बनाया तो भाजपा ने किसी को भी अपना समर्थित प्रत्याशी नहीं बनाया वहां निर्दलीय चुनाव लड़ रही भावना कोरंगा को क्षेत्रीय विधायक अरविंद पांडे ने अपना समर्थन देकर उन्हें चुनाव लाडवा रहे हैं हालांकि निकाय चुनाव में गूलरभोज सीट पर नगर पंचायत पद पर अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी संजीव भटेजा को क्षेत्रीय विध ायक अरविंद पांडे बड़े ही जोश और खघ्रोश के साथ चुनाव लड़ा रहे थे उसके बाद भी उन्हें नगर पंचायत अध्यक्ष पद पर शिकस्त मिली और निकाय चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी का कब्जा रहा था कुछ लोग जिला पंचायत सीट बरीराई 19 सीट से चुनाव लड़ रही भावना कोरंगा को भी निकाय चुनाव वाले प्रकरण से जोड़कर देख रहे हैं वहीं कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी बबीता देवराड़ी भी मजबूती के साथ जिला पंचायत सदस्य पद पर चुनाव लड़ रही हैं। बता दें कि बबीता देवराड़ी के पति कोपा ग्राम सभा से निवर्तमान प्रधान पद पर रह चुके है जिनके अनुभव उनके लिए रामबाण साबित होंगे दोनों ही प्रत्याशियों में कांटे का मुकाबला देखने को मिल रहा है वहीं बरीराई की जनता इस सीट पर क्षेत्रीय विधायक अरविंद पांडे द्वारा चुनाव लड़वाई जा रही प्रत्याशी भावना कोरंगा को मजबूत रूप में देख रहे हैं, वही खेमपुर 20 सीट से भाजपा समर्थित प्रत्याशी सिल्की खेड़ा, निर्दलीय प्रत्याशी सुखविंदर सिंह, और कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी बलराज सिंह राणा मजबूत प्रत्याशियों के रूप में मैदान में है आपको बता दे कि सिल्की खेड़ा सरदार नगर ग्राम पंचायत से निवर्तमान प्रधान रह चुकी है और गदरपुर की पूरी ब्लॉक में शायद ही किसी गांव में विकास कार्य हुए हो जो विकास कार्य सरदार नगर में हुए हैं इनके विकास कार्यों को देखते हुए

जनता का भी भरपूर समर्थन मिल रहा है वही चुनावी मैदान में निर्दलीय उम्मीदवार सुखविंदर सिंह भी मजबूती के साथ चुनाव लड़ रहे हैं उनके चुनाव लड़ने का तरीका सभी प्रत्याशियों से अलग है उन्होंने चुनाव के दौरान अपनी जिला पंचायत क्षेत्र के लोगों से वन टू वन मिलकर उनका विश्वास जीतने में ज्यादा विश्वास रखा है वहीं कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी बलराज सिंह राणा भी मजबूती के साथ चुनाव लड़ रहे हैं इस सीट पर पहले नंबर पर सिल्की खेड़ा वह दूसरे नंबर पर निर्दलीय प्रत्याशी सुखविंदर सिंह के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिलेगी, अब बात करें गदरपुरा 21 सीट से जिला पंचायत सदस्य भाजपा समर्थित प्रत्याशी परमीत कौर चुनाव लड़ रही हैं जो निवर्तमान जिला पंचायत सदस्य भी हैं उनके पति सुरजीत सिंह सोनू की साफ छवि और मिलनसार व्यवहार का फायदा इन्हें चुनाव में साफ मिलता हुआ नजर आ रहा है, वही बात करें कांग्रेस की तो कांग्रेस ने जिसे अपना समर्थित प्रत्याशी घोषित किया था वह थी सरोज रानी जिनका नाम दो वोटर लिस्ट में होने के कारण कांग्रेस पार्टी ने अपना समर्थन वापस ले लिया और सरोज रानी चुनाव मैदान से पीछे हट गए उनकी जगह पर निर्दलीय चुनाव लड़ रही रेखा कंबोज को कांग्रेस पार्टी ने अपना समर्थन दिया। रेखा कंबोज के पति कश्मीर कंबोज के नाम की चर्चा क्षेत्र में धनवान लोगों में आती है लोगों में चर्चा है कि धनबल के सहारे चुनाव जीत ले तो कह नहीं सकते, वरना इनके चुनाव लड़ने से पहले कई बार बयान बदल गए हैं क्षेत्र में चुनाव लड़ने को लेकर जब चर्चा हुई तो उनके नाम की चर्चा क्षेत्र पंचायत सदस्य पद पर चुनाव लड़ने को लेकर हुई कुछ राजनीतिक समीकरण ऐसे बने कि इन्होंने क्षेत्र पंचायत पद का चुनाव न लड़ने का ऐलान किया और जिला पंचायत पद पर निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला लिया लेकिन इनके द्वारा बताया गया कि यह चुनाव लड़कर इस सीट को भारतीय जनता पार्टी की झोली में डाला जाएगा इतना कुछ होने के बाद भी फिर अचानक कांग्रेस पार्टी ने इन्हें अपना समर्थन दे दिया और अब यह कांग्रेस समर्थित चुनाव लड़ रहे जिनका जनता में सीधा मैसेज जा रहा है कि जो अपनी बात पर ही स्थिर नहीं है। वह जनता के साथ क्या न्याय करेंगे हालांकि भारतीय जनता पार्टी समर्थित प्रत्याशी परमीत कौर और कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी रेखा कंबोज में कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी भाजपा या कांग्रेस दोनों ही अपनी जीत को लेकर अस्वस्थ नजर आ रहे हैं यह तो आने वाला वक्त ही बताया कि कौन विजय हासिल करता है, वही पांचवी सीट खानपुर पूर्व 22 क्षेत्र से भाजपा समर्थित प्रत्याशी अमिता विश्वास, निर्दलीय प्रत्याशी सुषमा हालदार, और कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी विशुका शील मजबूत प्रत्याशी के रूप में मैदान में है ।अमिता विश्वास निवर्तमान जिला पंचायत सदस्य हैं खानपुर पूर्व 22 जिला पंचायत सीट का भाग रुद्रपुर विधानसभा में आने के कारण रुद्रपुर के विधायक शिव अरोड़ा अमिता विश्वास को मजबूती के साथ चुनाव लड़ाया। वहीं इस सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी सुषमा हलदार को रुद्रपुर के पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल भी मजबूती के साथ चुनाव लड़ा रहे थे। इसी सीट पर कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी विशुका शील भी चुनावी मैदान में है। खानपुर पूर्व 22 सीट पर रुद्रपुर के वर्तमान विधायक और पूर्व विधायक अपने-अपने प्रत्याशी की जीत का दावा कर रहे हैं। इस सीट पर भाजपा समर्थित प्रत्याशी अनीता विश्वास और निर्दलीय प्रत्याशी सुषमा हालदार में कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी इस सीट पर सुषमा हालदार मजबूत मानी जा रही है।

सोशल मीडिया पर भ्रामक प्रचार और लोगों को धमकाने के आरोप में ब्लॉगर बिरजू गिरफ्तार

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। सोशल मीडिया पर भ्रामक प्रचार करने, लोगों से अवैध वसूली करने और जान से मारने की धमकी देने सहित छेड़छाड़ मामले में आरोपी ब्लॉगर बिरजू मयाल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार एक के बाद एक तीन अलग-अलग शिकायतकर्ताओं द्वारा बिरजू मयाल के खिलाफ गंभीर आरोपों की तहरीर दी गई थी । जिनमें गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी, पैसों की जबरन मांग और महिलाओं से अभद्रता के मामले शामिल हैं। एक मामले में वादी राकेश नैनवाल निवासी ग्राम ढिकुली द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार, बिरजू मयाल ने उन्हें गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। वादी दिनेश मेहरा निवासी शिवलालपुर रामनगर ने तहरीर दी कि बिरजू मयाल ने उनसे 10,000 रुपए की

मांग की, पैसे न देने पर गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी दी। वादिनी नीमा देवी निवासी भरतपुरी रामनगर ने शिकायत दी कि 13 जुलाई 25 को जब बिरजू मयाल और उसकी पत्नी में झगड़ा हुआ और उन्होंने बीच-बचाव किया, तो बिरजू मयाल ने उन्हें गाली गलौच, ध मकी दी और छेड़छाड़ की। इसके अतिरिक्त बिरजू मयाल लगातार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग कर किसी पर भी बिना तथ्यों के झूठे आरोप लगाकर लोगों से पैसे वसूलने व जान से मारने और डराने-धमकाने की गतिविधियों में संलिप्त था। जांच के दौरान पुलिस टीम द्वारा रामपुर रोड हाइवे, मंडी गेट के पास से बिरजू मयाल पुत्र उमेद मयाल निवासी नाथूझाला कोटाबाग को गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम में उनि. गगन दीप, उनि. तारा सिंह राणा, उनि. राजकुमारी, का. अमित राणा व शेखर शामिल थे।

अपने हाथों से किया सत्कर्म ही वास्तविक संपत्ति है

गदरपुर। श्री पुरातन सनातन धर्म मंदिर में श्रावण मास के अवसर पर चल रही कथा श्रृंखला के 19वें दिवस की कथा के दौरान कथा वाचक पंडित विजय कुमार शास्त्री ने आध्यात्मिक विचारों से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। उन्होंने कहा कि "अपने हाथों से किया हुआ सत्कर्म ही वास्तव में हमारा होता है। जीव तो केवल प्रभु का मुनीम है और प्रभु ही इस संसार के स्वामी हैं।" उन्होंने बताया कि जब इस शरीर पर भी जीव की पूर्ण सत्ता नहीं है, तो फिर किसी अन्य भौतिक वस्तु पर अधिकार का अहसास करना केवल भ्रम है। यमराज की आज्ञा मात्र से शरीर त्याग करना पड़ता है, और जीवन की यह अस्थिरता हमें सत्कर्म के लिए प्रेरित करती है। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे, जिन्होंने भक्ति भाव से कथा श्रवण किया और जीवन में धर्म व कर्तव्य के महत्व को समझा। पंडित शास्त्री ने श्रोताओं को सत्संग और सेवा को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर आज के प्रसाद की व्यवस्था तीन परिवारों संजीव झाम, सुनील यादव एवं एक अन्य गुप्त दाता द्वारा की गई। कथा आयोजन में मंदिर के संरक्षक अजीत भुसरी, अध्यक्ष राजू सिंधी, नीलू कोचर, प्रीति मदान, भावना ठाकुर, निधि तेजवानी, माया गंगवार, उषा राजपूत सहित अनेक श्रद्धालुओं की सक्रिय सहभागिता रही।

कलयुगी सौतेले पिता से विवाह करने को जिद में बैठी बेटी

दिनेशपुर (उद संवाददाता)। सौतेले पिता द्वारा बेटी को हवस का शिकार बना कर गर्भवती करने के मामले का उस समय पटाक्षेप हो गया । जब उसने आपसी सहमति जताते हुए आरोपित से शादी करने का बयान दिया । ज्ञात हो रविवार को ग्रामीण क्षेत्र निवासी महिला ने थाने में तहरीर देकर कहा कि उसकी दो शादियां हुई हैं पहले पति की 19 वर्षीय बेटी के पेट मे दर्द होने पर जब उसे अस्पताल ले जाया गया । जहां चिकित्सक ने 7 माह की गर्भवती होने की बात कही । महिला ने अपने पति और बेटी के सौतेले पिता पर डरा धमकाकर हवस का शिकार बनाया जिससे वह गर्भवती हो गयी । महिला ने पति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी । जिसके बाद थाना पुलिस ने आरोपित को हिरासत में लिया था । मामले में उस समय नया मोड़ आ गया । जब पीड़िता ने थाने में कहा कि उन्होंने जो भी किया वह आपसी सहमति से हुआ । इस दौरान पीड़िता ने आरोपित से शादी करने की बात कही । जिसके बाद मामले का पटाक्षेप हो गया ।

पत्रकार अमन सिंह के पिता का निधन

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। पत्रकार प्रेस परिषद के महानगर अध्यक्ष अमन सिंह के पिता रूपचंद सिंह का आकस्मक निधन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गयी। तमाम पत्रकारों सहित विभिन्न राजनैतिक औ

रसामाजिक लोगों ने उनके निवस पर पहुंचकर शोक संवेदना प्रकट की। अमन सिंह के पिता रूप चन्द्र सिंह काफी समय से बीमार चल रहे थे। गमगीन माहौल में किच्छा रोड स्थित मोक्षधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके निधन पर पत्रकार प्रेस परिषद उत्तराखंड अध्यक्ष अशोक गुलाटी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष परम पाल सुखीजा पम्मी, महासचिव जगदीश चंद्र, उधम सिंह नगर जिला अध्यक्ष नरेंद्र राठौड़, खटीमा अध्यक्ष अशोक सरकार, काशीपुर अध्यक्ष अजय सक्सेना, गोपाल शर्मा, टनकपुर अध्यक्ष शिवम, सहित तमाम पत्रकारों ने शोक व्यक्ति श्रद्धांजलि अर्पित की है।

प्रकाश कौर एवं रूप चन्द्र के निधन पर पत्रकारों ने जताया शोक

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। वरिष्ठ पत्रकार राजीव चावला की माताजी श्रीमती प्रकाश कौर एवं पत्रकार अमन सिंह के पिता रूप चन्द्र सिंह के निधन पर कुमांऊ युवा प्रेस क्लब के पत्रकारों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दोनों दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की है। शोक व्यक्त करने वालों में केन्द्रीय संरक्षक कमल श्रीवास्तव ,केन्द्रीय अध्यक्ष सौरभ गंगवार , वरिष्ठ उपाध्यक्ष गुरबाज सिंह के अलावा हरविंदर सिंह चावला ,ललित राठौर , गोपाल गौतम ,अशोक सागर ,सुरेंद्र गिरधर ,युगराज रघुवंशी ,जगदीश चंद्र ,बरीत सिंह,भानु चुघ,अभिषेक शर्मा ,सत्यजीत सरकार ,गुरविंदर सिंह गिल ,अन्नू शर्मा ,मनीष ग्रोवर ,रंजीत कुमार ,विजय गुप्ता ,रामपाल सिंह ,आकाश गंगवार ,सिमरप्रीत सिंह,राकेश अरोड़ा,अनुज वर्मा,बलवीर सिंह चौहान,चंदू गंगवार,दीपक शर्मा ,जमील अहमद,विजय बत्रा,प्रदीप मंडल, हिमांशु नारंग,उस्मान अली, राजकुमार शर्मा ,मोहम्मद रजा ,शेर सिंह राठौड़,शुभोधुति मंडल, सुरेंद्र शर्मा,गोपाल भारती,अजीत चौहान,शुरभूतों गोस्वामी,संजीव गायन,सचिन गुप्ता,विपुल आदि शामिल हैं।

दिनदहाड़े घर में चोरी करने आया युवक दबोचा

शक्तिफार्म(उद संवाददाता)। सोमवार दिनदहाड़ सुरेंद्रनगर में संदिग्ध युवक ने एक व्यक्ति के घर का ताला तोड़ दिया। ग्रामीणों के मौके पर पहुंचते ही संदिग्ध युवक भाग निकला जिसे ग्रामीणों ने पीछा करके उसे दबोच लिया। ग्रामीणों ने उसे पुलिस चौकी लाकर पुलिस के हवाले कर दिया। उसके पास मिले बैग की तलाशी लेने पर उसमे दो मोबाइल सिम, दो विदेशी नोट ,महाकाल व त्रिशूल छपा हुआ भगवा टी-शर्ट आदि मिला। संदिग्ध युवक मुस्लिम समुदाय का है।युवक के खिलाफ थाना सितारगंज में तहरीर दे दी है। सुरेंद्रनगर निवासी दिनेश राय की पत्नी सोमवार को घर में ताला लगाकर गांव के बाबा तारकनाथ धाम मंदिर में हो रहे भंडारे में गई थी। इसी दौरान संदिग्ध युवक ने लोहे के नुकिले मोटे राड से घर के चौनल में लगे दो ताला में से एक ताला तोड़ दिया। आवाज सुनकर पड़ोसी व गांव के लोग मौके पर पहुंचे तो वह अपनी मोटरसाइकिल नं यूं पी 25 सी एस 2806 ,बैग , ताला तोड़ने वाला नुकीले लोहे का मोटा राड छोड़कर भाग निकला। जिसे ग्रामीणों ने पीछा कर दबोच लिया।ग्रामीणों ने उसे पुलिस चौकी लाकर मोटरसाइकिल व सभी सामान के साथ पुलिस को सौप दिया।बैग की तलाशी लेने पर उसमें दो मोबाइल सिम, दो विदेशी नोट, महाकाल व त्रिशूल छपा भगवा रंग का एक टी शर्ट आदि मिले। ग्रामीणों ने बताया पूछताछ करने पर उसने अपने को बरेली में रहने वाला मुस्लिम युवक बताया। चौकी स्टाफ चुनाव ड्यूटी में होने के कारण हेड कांस्टेबल भूपेंद्र प्रसाद ने पकड़े गए संदिग्ध युवक को उसके पास मिले सामान सहित थाना सितारगंज भेज दिया है। दिनेश राय की पत्नी व उनकी पड़ोसी महिला ने पुलिस चौकी में बताया कि पकड़ा गया संदिग्ध युवक रविवार को उनके घर में कंबल बेचने आया था। अनुमान है एक दिन पहले कंबल बेचने के बहाने युवक घर की रेकी कर आया था। नगर पंचायत अध्यक्ष सुमित मंडल ने कहा कि क्षेत्रवासी बाहर से सामान बेचने के लिए आने वाले अनजान लोगों से उनके आईडी देखने के बाद ही सामान आदि खरीदें।

बहन बेटियों की सुरक्षा के लिए यूसीसी निर्णायक : धामी

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित सम्मान समारोह में

प्रतिभाग करते हुए कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करना केवल एक कानूनी पहल नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने इसे उत्तराखंड की जनता का सम्मान बताते हुए कहा कि जनता के आशीर्वाद और विश्वास से ही यह सपना साकार हो सका। मुख्यमंत्री ने कहा कि समान नागरिक संहिता लागू कर राज्य सरकार ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने कहा कि अब राज्य के सभी नागरिकों को समान अधिकार प्राप्त हो गए हैं, जिससे समाज में व्याप्त भेदभाव समाप्त करने में सहायता मिली है। विशेष रूप से महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के दृष्टिकोण से यह संहिता एक क्रांतिकारी कदम सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने लिव-इन रिलेशनशिप के लिए पंजीकरण अनिवार्य किए जाने के प्रावधान को महिला सुरक्षा के लिए निर्णायक बताया। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था बहन-बेटियों की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक मजबूत कदम है। उन्होंने विश्वास जताया कि ष्समान नागरिक संहिता की यह गंगा उत्तराखंड से निकलकर सम्पूर्ण भारतवर्ष को प्रवाहित करेगी। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज की समरसता, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय एकता ही राज्य सरकार की विचारधारा के मूल स्तंभ हैं। उन्होंने संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 26 नवम्बर को संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय और बाबा साहेब से जुड़े स्थलों को राष्ट्र चेतना के पंच तीर्थ के रूप में विकसित करना एक प्रेरणादायक पहल है। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा लिए गए अन्य कड़े निर्णयों का भी उल्लेख किया, जिनमें सख्त दंगारोधी कानून, धर्मांतरण विरोधी कानून और ऑपरेशन कालनेमि शामिल हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राज्य की जनसांख्यिकीय (डेमोग्राफिक) संरचना को किसी भी स्थिति में बदलने नहीं दिया जाएगा। समारोह में पूर्व राज्यपाल एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री भगत सिंह कोश्यारी, साध्वी रेणुका, स्वामी निरंजन चौतन्य महाराज, आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष श्री विनय रुहेला, विधायक श्री सुरेश गड़िया एवं उत्तर प्रदेश के सफीपुर (उन्नाव) से विधायक श्री बंबा लाल दिवाकर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

धर्मांतरण के कानून को और सख्त करने के मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में धर्मांतरण कानून को और सख्त बनाते हुए, जरूरी कदम भी उठाने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को सचिवालय में उच्चाधिकारियों के साथ बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड सीमांत प्रदेश होने के साथ ही सनातन की पुण्य भूमि भी है। इसलिए यहां डेमोग्राफी में बदलाव की किसी भी कोशिश को सख्ती से रोका जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस इस तरह की संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखे। धर्मांतरण कराने वाले तत्वों के जाल में फंसे लोगों को उचित परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि हाल की घटनाओं को देखते हुए, धर्मांतरण कानून को और सख्त बनाए जाने की दिशा में तत्काल कदम उठाए जाए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि ऑपरेशन कालनेमि भी ऐसे तत्वों पर लगाम लगाने में सफल रहा है। इस मुहिम को आगे भी चलाए जाने की जरूरत है, इसलिए पुलिस मुख्यालय के स्तर पर, इसकी निगरानी के लिए एसआईटी का गठन किया जाए।

धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन और पंजीकरण के निर्देश

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सचिवालय में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए बेहतर सुविधाएं और सुदृढ़ व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हरिद्वार स्थित मनसा देवी और चंडी देवी मंदिर, टनकपुर के पूर्णागिरि धाम, नैनीताल का कैंची धाम, अल्मोड़ा का जागेश्वर मंदिर, पौड़ी स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर सहित सभी प्रसिद्ध मंदिरों में श्रद्धालुओं को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित दर्शन का अनुभव मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इन मंदिरों में भीड़ प्रबंधन, श्रद्धालु पंजीकरण, पैदल मार्गों और सीढ़ियों का चौड़ीकरण, अतिक्रमण हटाना, तथा अन्य बुनियादी सुविधाएं समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए मंदिर परिसरों का सुनियोजित विकास, धारणा क्षमता में वृद्धि और दुकानों का व्यवस्थित प्रबंधन प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने आदेश दिया कि कुमाऊं और गढ़वाल दोनों मंडलों के आयुक्तों की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाए। इस समिति में संबंधित जिलों के जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, विकास प्राधिकरणों के उपाध्यक्ष, और कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि सदस्य के रूप में शामिल होंगे। यह समिति मंदिर क्षेत्रों के स्थलीय निरीक्षण के आधार पर समुचित कार्ययोजना तैयार करेगी। मुख्यमंत्री ने विशेष तौर पर मनसा देवी मंदिर परिसर का उल्लेख करते हुए उसके सुनियोजित विकास और दर्शन प्रक्रिया को चरणबद्ध और पंजीकृत रूप में संचालित करने को कहा। उन्होंने कहा कि पंजीकरण को अनिवार्य बनाते हुए श्रद्धालुओं की संख्या को नियंत्रित किया जाए ताकि भीड़ पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके और आपात स्थिति से बचाव हो सके। बैठक में प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगौली, एस.एन. पाण्डेय, गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पाण्डेय, अपर पुलिस महानिदेशक ए.पी. अंशुमन, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते और अपर सचिव बंशीधर तिवारी सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

केदारघाटी में हेली सेवाओं की सुरक्षा व्यवस्था पर सरकार सख्त

सहस्त्रधारा और सिरसी में एटीसी स्थापित करने के निर्देश

देहरादून(उद संवाददाता)। चारधाम यात्रा के प्रमुख केंद्र केदारनाथ के लिए संचालित हेली सेवाओं की सुरक्षा एवं समयबद्धता को और सुदृढ़ करने की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सोमवार को सचिवालय में मुख्य सचिव श्री आनन्द बर्द्धन ने केदार वैली में हेली सेवाओं से जुड़ी तैयारियों और सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में युकाडा और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधिकारियों को सहस्त्रधारा और सिरसी में एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) की शीघ्र स्थापना के निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने कहा कि इन दोनों स्थलों पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल की स्थापना सितंबर के पहले सप्ताह तक पूरी कर ली जाए, ताकि मानसून उपरांत संभावित तीव्र यात्री आवागमन को सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि एटीसी स्थापना से संबंधित सभी आवश्यकताओं को राज्य सरकार प्राथमिकता के आधार पर पूरा करेगी। हेली सेवाओं की बेहतर निगरानी और संचालन के लिए मुख्य सचिव ने निर्देशित किया कि युकाडा प्रत्येक हेलीपैड पर एक हेलीपैड-इन-चार्ज की नियुक्ति सुनिश्चित करे, जिसकी जिम्मेदारी हेली शटल सेवाओं की समयबद्धता बनाए रखने की होगी।

इसके साथ ही हर हेलीपैड पर प्रशिक्षित मानव संसाधन की तैनाती और संचालन संबंधी स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने पर भी विशेष बल दिया गया। मुख्य सचिव ने यह भी स्पष्ट किया कि हर हेली उड़ान के लिए निर्धारित समय और उड़ान संख्या को बोर्डिंग पास पर स्पष्ट रूप से अंकित किया जाए, ताकि यात्रियों की सुविधा के साथ-साथ सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित हो सके। बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि युकाडा, जो प्रदेश में हेली सेवाओं की नियामक संस्था है, यह सुनिश्चित करे कि सभी हेली कंपनियां निर्धारित नियमों का पूरी तरह से पालन करें। साथ ही, मौसम की अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराने के लिए मौसम विभाग की मदद से मौसम अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। इन अधिकारियों के उपकरणों एवं वेतन का व्यय भार युकाडा द्वारा वहन किया जाएगा। हेलीकॉप्टर उड़ानों की सुरक्षा को तकनीकी मजबूती देने के उद्देश्य से चिन्हित स्थलों पर ऑटोमेटेड वेदर ऑब्जर्वेशन सिस्टम और सीलियोमीटर शीघ्र स्थापित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। युकाडा को अपने स्तर से भी इन उपकरणों को प्राथमिकता से लगाने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा गया है। बैठक में सचिव श्री शैलेश बगौली और श्री सचिन कुर्वे सहित भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधिकारी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। हेली सेवाओं को अधिक सुरक्षित, सुगठित और यात्री हितैषी बनाने की दिशा में यह बैठक सरकार की प्रतिबद्धता का एक ठोस संकेत मानी जा रही है।

गुरमान, तृप्ति और उद्दयन को बैस्ट सिंगर का खिताब

गायन प्रतियोगिता के फाईनल में सुरों की चमक,लोक रचना समिति की गायन प्रतियोगिता का भव्य समापन

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। लोक रचना समिति द्वारा आयोजित 25वीं वार्षिक गायन प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला सोमवार रात्रि रुद्रा होटल में सांस्कृतिक गरिमा और उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस बार फाईनल में तीनों वर्गों से डीपीएस के गुरमान, स्टोन रिज स्कूल की तृप्ति और जेपीएस के उद्दयन बैस्ट सिंगर चुने गये। सेमीफाइनल से चुने गए 13 प्रतिभागियों ने 'ओल्ड इज गोल्ड' थीम पर आधारित अपने गायन से न सिर्फ निर्णायकों को प्रभावित किया, बल्कि उपस्थित श्रोताओं को भी भाव-विभोर कर दिया। क्या हुआ तेरा वादा..., मधुबन में राधिका नाचे, चलते-चलते यूं ही कोई मिल गया, मोहे पनघट पे नंदलाल छेड़ गयो रे, एक राधा एक मीरा जैसे सदाबहार गीतों की संगीतमय प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। फाईनल प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग से अदिति मलेठा (एमेनिटी स्कूल), गुरमान (डीपीएस स्कूल), तृप्ति (नाद योग कला केंद्र), चंद्रमौली चावला (आरएएन स्कूल), जूनियर वर्ग से आयुष्मान (जेपीएस), तृप्ति (स्टोन रिज स्कूल), मिशिका बिष्ट (डीपीएस), अदिति (गुरुनानक स्कूल), दिव्यांशी शर्मा (डीपीएस) तथा सब जूनियर वर्ग से हिताशा नैथानी (एमेनिटी स्कूल), उद्दयन (जेसीज स्कूल), मौलिक मदान (आरएएन स्कूल) एवं आरियाना शर्मा (डीपीएस स्कूल) आदि प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया लिया। दो राउण्ड में हुई प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग में डीपीएस के गुरमान को बेहतरीन प्रस्तुति के लिए बेस्ट सिंगर घोषित किया गया, जबकि एमेनिटी स्कूल की अदिति मलेठा द्वितीय और नाद योग कला केंद्र की तृप्ति तृतीय स्थान पर रहीं। जूनियर वर्ग में स्टोन रिज स्कूल की तृप्ति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं गुरुनानक स्कूल की अदिति द्वितीय और जेपीएस के आयुष्मान तृतीय स्थान पर रहे। सब-जूनियर वर्ग में जेसीज स्कूल के उद्दयन को श्रेष्ठ गायक घोषित किया गया, जबकि डीपीएस की आरियाना शर्मा और एमेनिटी स्कूल की हिताशा नैथानी ने क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजेताओं को अतिथियों ने आकर्षक ट्रॉफी और पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रतिष्ठित चिकित्सक व फुटेला अस्पताल के निदेशक डॉ. रवि फुटेला ने प्रतियोगिता के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि लोक रचना समिति द्वारा विगत 25 वर्षों से निरंतर प्रतिभाओं को मंच देने का कार्य निस्संदेह प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता सिर्फ संगीत नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक चेतना का मंच है, जहां से निकलकर बच्चे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बनाते हैं। उन्होंने संस्था के संयोजक केवल कृष्ण बत्रा के प्रयासों की भूरी-भूरी प्रशंसा की और भविष्य में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डीपीएस के डायरेक्टर सुरजीत सिंह ग्रोवर, कोलंबस स्कूल के डायरेक्टर केसर दास सेठी, उद्योगपति अशोक अदलखा और समाजसेवी जगदीश टंडन ने भी मंच को सराहते हुए इसे बाल प्रतिभाओं के लिए सशक्त अवसर बताया। सुरजीत सिंह ग्रोवर ने कहा कि विद्यालयों के शैक्षणिक वातावरण के साथ-साथ ऐसे मंच बच्चों की रचनात्मकता को भी नई उड़ान देते हैं। वहीं अशोक अदलखा ने लोक रचना समिति के आयोजन को सांस्कृतिक दायित्व की मिसाल बताया। कार्यक्रम के समापन पर संयोजक केवल कृष्ण बत्रा ने सभी प्रतिभागियों, अभिभावकों, अतिथियों और आयोजन में सहयोग देने वाले सभी व्यक्तियों का हृदय से आभार प्रकट किया। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी के सहयोग से यह परंपरा आगे भी जारी रहेगी और आने वाले वर्षों में यह प्रतियोगिता और भी व्यापक और प्रभावशाली रूप लेगी।कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री भारत भूषण चुघ, उप जिलाधिकारी निर्मला बिष्ट एवं अमृता शर्मा, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य वेद ठुकराल, समाजसेवी पवन अग्रवाल, अधिवक्ता दीपक अरोड़ा, उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा, पूर्व महामंत्री हरीश अरोड़ा, युवा व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष राजेश कामरा, सांस्कृतिक मंच अध्यक्ष अमित बांगा, अग्रवाल महासभा के पूर्व अध्यक्ष तारा चंद अग्रवाल, पंजाबी महासभा के पूर्व महामंत्री सुरेंद्र अरोड़ा रज्जी, पार्षद चिराग कालरा, जतिन नागपाल, सुजाता नारंग सहित बड़ी संख्या में दर्शक एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

संचालन की हुई तारीफ

रूद्रपुर। गायन प्रतियोगिता के सेमीफाईनल और फाईनल में पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन मोहित बत्रा एवं भविष्य ढींगरा ने संयुक्त

रूप से किया, उन्होंने अपनी ऊर्जा और स्पष्ट प्रस्तुति से आयोजन में जीवंतता बनाए रखी। दोनों युवाओं के संचालन की अतिथियों के साथ साथ कार्यक्रम में मौजूद अन्य लोगों ने भी जमकर तारीफ की।

नैनीताल जनपद में 76.07 प्रतिशत मतदान

जिला निर्वाचन अधिकारी वंदना ने शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने पर जताया आभार

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। नैनीताल जनपद के चारों विकास खंडों में त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2025 के द्वितीय चरण का मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। मतदान के दौरान मतदाताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। जनपद के भीमताल, हल्द्वानी, रामनगर और कोटाबाग विकास खंडों में मतदान प्रक्रिया सुबह 8 बजे प्रारंभ हुई। सभी मतदान केंद्रों पर मतदान शांति और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। मुख्य विकास अधिकारी एवं उप निर्वाचन अधिकारी नैनीताल अनामिका ने हल्द्वानी, रामनगर और कोटाबाग क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा एवं मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी विवेक राय के साथ जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों ने भी जिले के सभी मतदान केंद्रों का दौरा कर मतदाताओं को उपलब्ध कराई गई सुविधाओं की समीक्षा की। अधिकारियों ने सुनिश्चित किया कि मतदान प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष रूप से संपन्न हो। नैनीताल जिले के भीमताल, हल्द्वानी, रामनगर और कोटाबाग विकास खंडों में मतदान सुबह 8 बजे प्रारंभ हुआ। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, भीमताल में 81.11%, हल्द्वानी में 73.61%, रामनगर में 75.13% और कोटाबाग में 79.35% मतदान दर्ज किया गया। कुल औसत मतदान लगभग 76.07% रहा। निर्वाचन के दौरान 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ मतदाताओं और दिव्यांग मतदाताओं के लिए विशेष सुविधा सुनिश्चित की गई। कुल 202 मतदाताओं ने इस सुविधा का लाभ उठाया, जिनमें 142 दिव्यांग और 60 वरिष्ठ नागरिक शामिल रहे। नोडल अधिकारी के निर्देशन में मतदान केंद्र तक पहुंचाने और सुरक्षित घर वापसी की सुविधा उपलब्ध कराई गई। शांतिपूर्ण एवं सफल मतदान संपन्न होने पर जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वंदना ने निर्वाचन अधिकारियों, कार्मिकों, सुरक्षा बलों और मतदाताओं का आभार व्यक्त किया।

मीना शर्मा ने बांटे तुलसी के पौधे

रूदपुर(उद संवाददाता)।सावन के तीसरे सोमवार को पूर्व पालिका अध्यक्ष श्रीमती मीना शर्मा, भदईपुरा के शनि मंदिर पहुंची, जहां उन्होंने भगवान शिव की पूजा अर्चना की, और शिवलिंग पर गंगाजल चढ़ाया और क्षेत्र की खुशहाली, तरक्की, और आपसी भाईचारे की मजबूती के लिए प्रार्थना की। इससे पूर्व घर-घर तुलसी अभियान के तहत श्रीमती शर्मा ने यहां उपस्थित सैकड़ो महिलाओं को पवित्र तुलसी के पौधे वितरित किए, इस अवसर पर अपने संबोधन में श्रीमती शर्मा ने कहा कि सावन के पवित्र माह में वह सोमवार के दिन तुलसी के पौधे वितरित करती

हैं,श्रीमती शर्मा ने कहा कि तुलसी के पौधे अपने घर ले जाकर उन्हें स्थापित करना बहुत ही मंगलकारी, और महत्वपूर्ण है, उन्होंने तुलसी को गंगाजल की तरह पवित्र बताते हुए कहा कि तुलसी हमारे जीवन में बहुत ही उपयोगी है, यह सभी धार्मिक कार्यों के साथ-साथ हमारे जीवन में औषधि के रूप में भी प्रयोग में लाई जाती है, इसलिए तुलसी को हर घर में स्थापित करना बहुत आवश्यक है, श्रीमती शर्मा ने कहा कि वह सावन माह में प्रतिवर्ष 5000 तुलसी के पौधे वितरित करती हैं, इस वर्ष भी उनका यह अभियान लगातार जारी है । इस अवसर पर राजीव यादव, आंगनलाल शर्मा, ललित कुमार, तोता राम राठौर, प्रेमा देवी, मुन्नी देवी, कृष्णावती, मीनाक्षी, सरोज, किरण, लालता प्रसाद, प्रियंका, कालीचरण, दिव्या, सरस्वती, अनिल शर्मा, अरविंद सक्सेना, चंद्रभान,सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय
सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

'आपरेशन सिंदूर' पर बहस

इसमें कोई दोराय नहीं कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने जो कदम उठाया, आतंकवादियों के पाकिस्तान स्थित ठिकानों पर हमला करके उसे तबाह किया, वह अब देश के इतिहास में एक शानदार अध्याय की तरह दर्ज रहेगा। मगर 'आपरेशन सिंदूर' के तहत चले अभियान के दौरान इस संबंध में जितनी भी खबरें आईं, उससे जिस तरह की धारणाएं बनीं, जो सवाल उठे, उनका जवाब देश के सामने रखना भी एक स्वाभाविक मांग है। इस क्रम में विपक्ष ने इस बात के लिए दबाव भी बनाया कि संसद में 'आपरेशन सिंदूर' पर बहस हो और सरकार उन सवालों का जवाब दे, जिन पर कई स्तर पर धुंधलका छाया हुआ है। सही है कि भारत ने 'आपरेशन सिंदूर' के जरिए दुनिया को यह संदेश दिया कि अगर आतंकियों या उन्हें पालने-पोसने वाले देश ने भारतीय लोगों के जीवन से खिलवाड़ किया तो उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। मगर भारत की सोची-समझी और निर्धारित प्रतिक्रिया के दौरान हमलों का स्वरूप और उसके नतीजों को लेकर जिस तरह की खबरें आईं, उससे कई सवाल पैदा हुए। इसके जवाब में सरकार ने जो तस्वीर सामने रखी, वह आतंकियों के खिलाफ की गई प्रतिक्रिया की कामयाबी पर ही केंद्रित रही। अब विपक्षी पार्टियों के जोर देने के बाद संसद में इस मसले पर बहस के लिए सबके बीच सहमति बनी, तो यह स्वागत योग्य है। इसके साथ ही यह उम्मीद स्वाभाविक है कि महज औपचारिक प्रतिक्रियाओं के बजाय सरकार 'आपरेशन सिंदूर' के तहत चलाए गए अभियान और उससे संबंधित तमाम सवालों का तथ्यगत जवाब देगी। यह इसलिए भी जरूरी है कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष में किस पक्ष का कितना नुकसान हुआ, इसे लेकर कई तरह के भ्रम परोसे गए। रक्षा मंत्री का भी कहना है कि सवाल यह नहीं कि नुकसान कितना हुआ, बल्कि यह है कि परिणाम क्या निकला। सरकार यह कहती रही है कि इस अभियान के शुरू होने के कुछ ही समय बाद पाकिस्तान इतने दबाव में आया कि उसने संघर्ष विराम की फरियाद करनी शुरू कर दी। दूसरी ओर, अमेरिका के राष्ट्रपति कई बार ऐसे दावे कर चुके हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम उन्होंने कराया था। जाहिर है, इस तरह के धुंधलके के बीच एक स्पष्ट तस्वीर की जरूरत महसूस की जा रही थी। दरअसल, आपरेशन सिंदूर की कामयाबी के बावजूद यह पक्ष अब भी साफ नहीं हो सका है कि पहलगाम में पर्यटकों पर हमला करने वाले आतंकवादी किस तरह घुसपैठ करके वहां पहुंच सके, वहां सुरक्षा व्यवस्था क्यों अनुपस्थित थी। फिर हमले के बाद आतंकी कैसे आराम से वहां से फरार भी हो गए? इसकी प्रतिक्रिया में पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर कामयाब हमले तो किए गए, लेकिन पहलगाम में हमला करने वाले आतंकियों का क्या हुआ, यह अब तक साफ नहीं है।

रक्तदान, गुरबाणी पाठ एवं लंगर कल

गदरपुर(उद संवाददाता)। वरिष्ठ समाजसेवी स्व. अशोक सिंह खेड़ा की पुण्यतिथि पर परिवार द्वारा बुधवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर एवं लंगर का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के अनुसार गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा गदरपुर में 30 जुलाई प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है साथ ही श्री सुखमणि साहिब, गुरबाणी कीर्तन और अरदास के उपरांत लंगर का भी आयोजन होगा। स्वर्गीय अशोक खेड़ा की पत्नी अमरजीत कौर और पुत्र प्रभजोत खेड़ा ने सभी संगत को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर एवं लंगर कार्यक्रम में गुरुद्वारा साहिब में पहुंचने की अपील की गई है।

बेजुबानों की आवाज बनें, बाघ बचाएँ

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस 2025

बाघ, जिसे जंगल का राजा कहा जाता है, भारत का राष्ट्रीय पशु भी है। इसकी शक्ति, सौंदर्य और गरिमा इसे एक अद्वितीय प्राणी बनाती है। लेकिन पिछले कुछ दशकों में बाघों की संख्या में भारी गिरावट आई है, जिसके कारण इनकी प्रजाति संकट में आ गई है। इस संकट के प्रति लोगों को जागरूक करने और बाघों के संरक्षण के लिए हर साल 29 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस मनाया जाता है। बाघ दिवस, बाघ संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक वार्षिक उत्सव है। इसकी शुरुआत 2010 में रूस के सेंट पीटर्सबर्ग टाइगर समिट में व्लादिमीर पुतिन द्वारा की गई थी, जिन्होंने अमूर बाघ को बचाने को अपना मिशन बना लिया है। उन्होंने रूस में बाघों के अवैध शिकार, अवैध व्यापार, परिवहन या भंडारण के लिए कठोर दंड और लंबी जेल की सजा वाले कानूनों पर हस्ताक्षर किए। इस दिवस का लक्ष्य बाघों के प्राकृतिक आवासों की रक्षा के लिए एक वैश्विक प्रणाली को बढ़ावा देना और बाघ संरक्षण के मुद्दों पर जन जागरूकता और समर्थन बढ़ाना है। बाघों की संख्या घटने के मुख्य कारण अवैध शिकार, जंगलों की कटाव, आवास की कमी, इंसान और बाघ के बीच बढ़ता संघर्ष और जलवायु परिवर्तन हैं। भारत में 'प्रोजेक्ट टाइगर' जैसे अभियान शुरू किए गए हैं, जिनका

मकसद बाघों की घटती संख्या को बढ़ाना है। बाघ खाद्य श्रृंखला में सबसे ऊपरी स्थान पर होता है और यह जंगलों के स्वास्थ्य का प्रतीक माना जाता है। यह शिकारी प्रजाति जंगल में जनसंख्या नियंत्रण और जैव विविधता बनाए रखने में मदद करता है। यदि बाघ नहीं रहेंगे तो पूरा पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ सकता है। अप्रैल 2023 में, प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि भारतीय स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में, दुनिया की 75% बाघ आबादी भारत में होगी। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि यह भी एक संयोग है कि भारत में बाघ अभयारण्य 75,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले हैं और पिछले दस-बारह वर्षों में देश में बाघों की आबादी में 75 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारत में बाघों की आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो 2018 में 2,967 से बढ़कर 3,682 हो गई है। यह चार वर्षों के भीतर लगभग 24% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। यह आंकड़ा एक सकारात्मक प्रवृत्ति को दर्शाते हैं, जो 9 अप्रैल को मैसूर में एक कार्यक्रम के दौरान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बताए गए 3,167 बाघों को पार कर गए हैं। यह घोषणा प्रोजेक्ट टाइगर के 50 वर्षों के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम के साथ हुई, जो अपने प्रयासों के लिए विश्व स्तर पर प्रशंसित एक प्रसिद्ध संरक्षण पहल है। हमें यह समझना होगा कि बाघ केवल एक जानवर नहीं है, बल्कि हमारे पारिस्थितिकी तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि बाघ नहीं रहेंगे, तो जंगलों का संतुलन भी बिगड़ जाएगा। इसलिए, बाघों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए हमें एकजुट होकर काम करना चाहिए।

ई. रूपेश कुमार अरोरा
वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर, रुद्रपुर

पर्यावरण विद आशुतोष पंत ने वितरित किए पौधे

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। कोटद्वार के सनेह क्षेत्र के राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, लालपानी में निःशुल्क पौध भेंट कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें पूर्व जिला आयुर्वेद अधिकारी एवं पर्यावरणविद डा. आशुतोष पंत ने उपस्थित क्षेत्रवासियों को निःशुल्क पौधे वितरित किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आए स्थानीय लोगों में पर्यावरण संरक्षण के लिए उत्साह दिखा। डा. पंत ने कहा कि जैसे एक पेड़ दस पुत्र समान माना गया है उसी तरह यदि हमारी लापरवाही से एक पेड़ मरता है तो वह भी दस हत्याओं के बराबर गंभीर अपराध है। केवल पेड़ लगाना ही काफी नहीं है उन्हें बच्चों की तरह पालना भी जरूरी है। दो साल तक पेड़ को देखभाल की जरूरत होती है उसके बाद तो वह खुद हमें बहुत कुछ देने लगता है। उन्होंने कार्यक्रम में सहयोग करने पर जल संस्थान के अधिशासी अभियंता अभिषेक वर्मा, पार्षद संजय भंडारी, अजय जोशी, फाउंडर ई टेक्नोमाइंड, अम्बेश पंत चीफ एडिटर डिस्कवर उत्तराखण्ड, प्रशांत कुकरेती, डायरेक्टर ज्ञान वृक्ष स्कूल, सेवानिवृत्त वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ. केके धस्माना, चिकित्साधिकारी डॉ अजय नेगी, शिक्षक संभव सिंह अधिकारी, ग्रीन आर्मी के उत्कर्ष व शिवम नेगी आदि सभी उपस्थित महानुभावों का धन्यवाद किया। साथ ही कॉलेज की प्रधानाचार्य श्रीमती वंदना भारद्वाज, असिस्टेंट कमिश्नर जीएसटी मितेश्वर आनंद गौड़ और सेवानिवृत्त वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ विजय राणा का सहयोग के लिए विशेष आभार व्यक्त किया।

मंदिरों में भगदड़ से हुए हादसों से कोई सबक नहीं

प्रमोद भार्गव, पत्रकार/लेखक

उत्तराखंड के प्रसिद्ध तीर्थस्थल के मनसा देवी मंदिर के मार्ग में मची भगदड़ से आठ लोगों की मौत हो गई और 40 लोग घायल हैं। यह शिवालिक पहाड़ियों पर 500 फीट की ऊंचाई पर यह घटना एक विद्युत मीटर के निकट बिजली का करंट फैल जाने की अफवाह से लगी। सावन का महीना और रविवार का दिन होने के कारण सुबह से ही बहुत भीड़ थी। वाबजूद इस संकरे मार्ग पर सुरक्षा के कोई पुख्ता प्रबंध नहीं थे। जबकि इसी रास्ते से लोग आ-जा रहे थे। जबकि पुरी में जगन्नाथ पुरी की रथयात्रा और बेंगलुरु में खेले गए क्रिकेट मैच के चलते दो बड़ी घटनाएं घटी हैं, फिर भी प्रशासन ने सबक लेते हुए कोई सतर्कता नहं बरती। आखिर सोया प्रशासन कब जागेगा? वैसे भी हरिद्वार धार्मिक उत्सव और कुंभ जैसे मेले को आयोजित कराने वाला नगर है, इसलिए वहां के प्रशासन को हर वक्त चौतन्य रहने की जरूरत है। धार्मिक उत्सवों में दुर्घटनाओं का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। यदि हरिद्वार की ही बात करें तो 1912 के कुंभ में भगदड़ से 7 लोगों की 1966 में 12 1986 में 52, 1996 में 22, 2010 में 7, और 2011 गायत्री यज्ञ में भगदड़ होने से 20 लोगों की मौतें हुई थीं। भारत में पिछले डेढ़ दशक के दौरान मंदिरों और अन्य धार्मिक आयोजनों में उम्मीद से कई गुना ज्यादा भीड़ उमड़ रही है। जिसके चलते दर्शन-लाभ की जल्दबाजी व कुप्रबंधन से उपजने वाली भगदड़ व आगजनी का सिलसिला हर साल इस तरह के धार्मिक मेलों में देखने में आ रहा है। साफ है, प्रत्येक कुंभ में जानलेवा घटनाएं घटती रहने के बावजूद शासन-प्रशासन ने कोई सबक नहीं लिए। धर्म स्थल हमें इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि हम कम से कम शालीनता और आत्मानुशासन का परिचय दें। किंतु इस बात की परवाह आयोजकों और प्रशासनिक अधिकारियों को नहीं होती, अतएव उनकी जो सजगता घटना के पूर्व सामने आनी चाहिए, वह अक्सर देखने में नहीं आती? लिहाजा आजादी के बाद से ही राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र उस अनियंत्रित स्थिति को काबू करने की कोशिश में लगा रहता है, जिसे वह समय पर नियंत्रित करने की कोशिश करता तो हालात कमोबेश बेकाबू ही नहीं हुए होते? अतएव देखने में आता है कि आयोजन को सफल बनाने में जुटे अधिकारी भीड़ के मनोविज्ञान का आकलन करने में चूकते दिखाई देते हैं। जरूरत से ज्यादा प्रचार करके लोगों को यात्रा के लिए प्रेरित किया जाता है। फलतः जनसैलाब इतनी बड़ी संख्या में उमड़ जाता है कि सारे रास्ते पैदल भीड़ से जाम हो जाते हैं। इसी बीच लापरवाही यह रही कि बाहर जाने के रास्ते को नेता और नौकरशाहों के लिए आरक्षित कर दिया गया और दो ट्रक आम रास्ते से मंदिर की ओर भेज दिए। इस चूक ने घटना को अंजाम दे दिया। जो भी प्रबंध

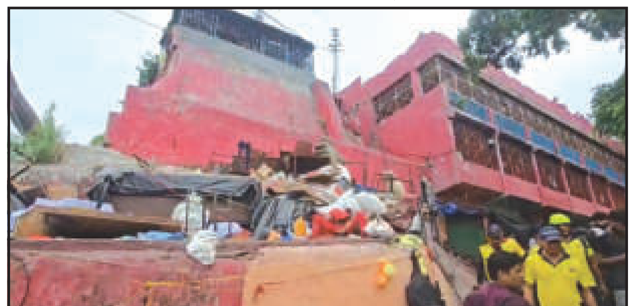

न के लिए आधुनिक तकनीकि उपाय किए गए थे, वे सब व्यर्थ साबित हुए। क्योंकि उन पर जो घटना के भयावह दृश्य दिखाई देने लगे थे, उनसे निपटने का तात्कालिक कोई उपाय ही संभव नहीं रह गया था। ऐसी लापरवाही और बदइंतजामी सामने आना चकित करती है। दरअसल रथयात्रा में जो भीड़ उमड़ी थी, उसके अवागमन के प्रबंधन के लिए जिस प्रबंध कौशल की जरुरत थी, उसके प्रति घटना से पूर्व सर्तकता बरतने की जरूरत थी? इसके प्रति प्रबंधन अदूरदर्शी रहा। मेलों के प्रबंधन की सीख हम विदेशी साहित्य और प्रशिक्षण से लेते हैं। जो भारतीय मेलों के परिप्रेक्ष्य में कतई प्रासंगिक नहीं है। क्योंकि दुनिया के किसी अन्य देश में किसी एक दिन और विशेष मुहूर्त के समय लाखों-करोड़ों की भीड़ जुटने की उम्मीद ही नहीं की जाती? बावजूद हमारे नौकरशाह भीड़ प्रबंधन का प्रशिक्षण, लेने खासतौर से योरुपीय देशों में जाते हैं। प्रबंधन के ऐसे प्रशिक्षण विदेशी सैर-सपाटे के बहाने हैं, इनका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं होता। ऐसे प्रबंधनों के पाठ हमें खुद अपने देशज ज्ञान और अनुभव से लिखने होंगे। प्रशासन के साथ हमारे राजनेता, उद्योगपति, फिल्मी सितारे और आला अधिकारी भी धार्मिक लाभ लेने की होड़ में व्यवस्था को भंग करने का काम करते हैं। इनकी वीआईपी व्यवस्था और यज्ञ कुण्ड अथवा मंदिरों में मूर्तिस्थल तक हर हाल में पहुंचने की रूढ़ मनोदशा, मौजूदा प्रबंधन को लाचार बनाने का काम करती है। जो इस रथयात्रा में देखने में आई है। आम श्रद्धालुओं के बाहर जाने का रास्ता इन्हीं लोगों के लिए सुरक्षित कर दिया गया था। नतीजतन भीड़ ठसाठस के हालात में आ गई और दुर्घटना घट गई। दरअसल दर्शन-लाभ और पूजापाठ जैसे अनुष्ठान अशक्त और अपंग मनुष्य की बैशाखी हैं। जब इंसान सत्य और ईश्वर की खोज करते-करते थक जाता है और किसी परिणाम पर भी नहीं पहुंचता है तो वह पूजापाठ के प्रतीक गढ़कर उसी को सत्य या ईश्वर मानने लगता है। यह मनुष्य की स्वाभाविक कमजोरी है। यथार्थवाद से पलायन अंध विश्वास की जड़ता उत्पन्न करता है। भारतीय समाज में यह कमजोरी बहुत व्यापक और दीर्घकालीक रही है। जब चिंतन मनन की धारा सूख जाती है तो सत्य की खोज मूर्ति पूजा और मुहूर्त के शुभ घड़ियों में सिमट जाती है। जब अध्ययन के बाद मौलिक चिंतन का मन-मस्तिश्क में ह्रस हो जाता है तो मानव समुदाय भजन-कीर्तन में लग जाता है। यही ह्रश्र हमारे पथ-प्रदर्शकों का हो गया है। नतीजतन पिछले कुछ समय से सबसे ज्यादा मौतें भगदड़ की घटनाओं और सड़क दुर्घटनाओं में उन श्रद्धालुओं की हो रही हैं, जो ईश्वर से खुशहाल जीवन की प्रार्थना करने धार्मिक यात्राओं पर जाते हैं। मीडिया इसी पूजा-पाठ का नाट्य रूपांतरण करके दिखाता है, यह अलौकिक कलावाद, धार्मिक आस्था के बहाने व्यक्ति को निष्क्रिय व अंधविश्वासी बनाता है। यही भावना मानवीय मसलों को यथास्थिति में बनाए रखने का काम करती है और हम ईश्वरीय अथवा भाग्य आधारित अवधारणा को भाग्य और प्रतिफल व नियति का कारक मानने लग जाते हैं। दरअसल मीडिया, राजनेता और बुद्धिजीवियों का काम लोगों को जागरूक बनाने का है, लेकिन निजी लाभ का लालची मीडिया, लोगों को धर्मभीरू बना रहा है। राजनेता और धर्म की आंतरिक आध्यात्मिकता से अज्ञान बुद्धिजीवी भी धर्म के छद्म का शिकार होते दिखाई देते हैं। यही वजह है कि पिछले दो दशक के भीतर मंदिर हादसों में लगभग 5000 से भी ज्यादा भक्त मारे जा चुके हैं। बावजूद श्रद्धालु हैं कि दर्शन, आस्था, पूजा और भक्ति से यह अर्थ निकालने में लगे हैं कि इनको संपन्न करने से इस जन्म में किए पाप धुल जाएंगे, मोक्ष मिल जाएगा और परलोक भी सुधर जाएगा। गोया, पुनर्जन्म हुआ भी तो श्रेष्ठ वर्ण में होने के साथ आर्थिक रूप से समृद्ध व वैभवशाली होगा। परंतु इस तरह के खोखले दावों का दांव हर मेले में ताश के पत्तों की तरह बिखरता दिखाई दे रहा है। जाहिर है, धार्मिक दुर्घटनाओं से छुटकारा पाने की कोई उम्मीद निकट भविष्य में दिखाई नहीं दे रही है?

मतदान केन्द्र पर हंगामा,भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नोंक झोंक

किच्छा(उद संवाददाता)। कोतवाली अंतर्गत ग्राम छिनकी में मतदान केंद्र पर भाजपा नेता द्वारा वोट देने पहुंचे ग्रामीणों का पहचान पत्र जांचने की मांग के बाद पोलिंग बूथ पर विवाद शुरू हो गया। घटना की सूचना पर विधायक तिलक राज बेहड़ भी मौके पर पहुंच गए। भाजपाइयों तथा कांग्रेसियों के आमने-सामने होने से मतदान केंद्र पर टकराव की स्थिति पैदा हो गई। लेकिन पुलिस प्रशासन ने तुरंत स्थिति को संभालते हुए दोनों पक्षों को अलग-अलग कर पोलिंग बूथ पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया। जानकारी के अनुसार किच्छा कोतवाली अंतर्गत ग्राम दरऊ पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम छिनकी स्थित प्राथमिक विद्यालय में बनाए गए मतदान केंद्र पर पूर्व विधायक राजेश शुक्ला के

भतीजे एवं भाजपा नेता ने मतदान करने आए ग्रामीणों के परिचय पत्र तथा अन्य दस्तावेज जांचने की मांग उठाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। इस बीच भाजपाई तथा कांग्रेसियों के बीच नोंकझोंक शुरू हो गई और विवाद तूल पकड़ने लगा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा मामले की सूचना दिए जाने के बाद क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड़ भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस प्रशासन ने दोनों पक्षों को मतदान केंद्र के अंदर जाने से रोक दिया गया तथा दोनों पक्षों को अलग-अलग कर मतदान केंद्र के बाहर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया। पुलिस प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए समय रहते स्थिति पर काबू पा लिया। इसके बाद भाजपा नेता तथा क्षेत्रीय विधायक अपने-अपने समर्थकों के साथ मतदान केंद्र के बाहर अलग-अलग बैठे नजर आए। मामूली हंगामें के बाद मतदान केंद्र पर सुचारू रूप से मतदान जारी रहा और शांति माहौल बना रहा।

व्यापारी श्यामल के पुत्र का निधन, शोक में बाजार बंद

शक्तिफार्म(उद संवाददाता)। कपड़ा यूनियन के सचिव श्यामल कृष्ण हालदार का पुत्र रोहन हालदार लम्बे समय से अस्वस्थ चल रहा था। उनका सोमवार दोपहर को निधन हो गया । दुखद समाचार को सुनकर राजनगर के ग्रामीण,स्वजन व शक्तिफार्म बाजार के व्यापारी स्तम्भ रह गये। प्रांतीय उद्योग व्यापार मण्डल के पदाधिकारी व व्यापारियों ने दुःख प्रकट करते हुये,आज आधा दिन अपने अपने प्रतिष्ठान बंद रख कर दिवंगत आत्मा के शांति के लिए प्रार्थना की। दुःख व्यक्त करने वालो मे प्रांतीय उद्योग व्यापार मण्डल अध्यक्ष रविन्द्र अग्रवाल,महामंत्री शुभम गर्ग, कोषाध्यक्ष विक्की मण्डल,विजय बागला,ओमप्रकाश कालरा,विपिन डालमिया,जगदीश डालमिया,अजीत शाह,बलराम पोद्दार,सुशांत मोहन राय ,विधान मण्डल,राजेश रस्तोगी,राजेश पोद्दार,मुकुल पोद्दार,सुजीत मण्डल, राजकुमार जायसवाल,परेश मण्डल, निरंजन मण्डल,निरंजन विश्वास, सुशील गर्ग,अंकुर जिंदल,नितिन जिंदल,विप्रो राय,आदि व्यापारी थे।

घर लौटते दंपति पर जानलेवा हमला, पति गंभीर घायल

शक्तिफार्म (उद संवाददाता)। शक्तिफार्म क्षेत्र के अरविंद नगर (रतन फार्म) में बीती 24 जुलाई की शाम उस समय हड़कंप मच गया जब घर लौट रहे एक दंपति पर पूर्व से घात लगाए बैठे तीन लोगों ने धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में पति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद हल्द्वानी स्थित सुशीला तिवारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित परिवार ने हमलावरों पर हत्या की कोशिश और जान से मारने की धमकी का आरोप लगाते हुए पुलिस से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अरविंद नगर निवासी अनूप आचार्य अपनी पत्नी मालती आचार्य के साथ 24 जुलाई की शाम जैसे ही अपने घर लौटे, तभी पहले से घात लगाए बैठे कुछ लोगों ने दंपति को गालियां देते हुए अचानक हमला कर दिया। आरोपियों ने अनूप आचार्य के सिर पर लोहे की रॉड व डंडों से प्रहार कर दिया, जिससे वह लहूलुहान होकर मौके पर गिर पड़े। उनकी पत्नी जब बचाव के लिए आगे बढ़ी तो आरोपियों ने उन्हें भी धक्का देकर गिरा दिया। घटना के दौरान शोरगुल सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद हमलावर उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। आनन-फानन में घायल अनूप को पहले सितारगंज के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें हल्द्वानी के सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय रेफर कर दिया। फिलहाल उनका इलाज जारी है और परिजनों के अनुसार घायल की हालत चिंताजनक बनी हुई है।पीड़ित परिजनों ने थाना सितारगंज में घटना की तहरीर देकर तीनों आरोपियों के खिलाफ जानलेवा हमले, मारपीट, गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी जैसी गंभीर धाराओं में सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम अलाउद्दीन खान (ALLAUDDIN KHAN) से बदलकर अलाउद्दीन (ALAUDDEEN) कर लिया है। अतः भविष्य में मुझे अलाउद्दीन (ALAUDDEEN) पुत्र श्री अफजल खां (Afjal Khan) के नाम से जाना पहचाना जाउंगा।

अलाउद्दीन पुत्र श्री अफजल खां
निवासी वार्डनं-05 खेडा, रुद्रपुर,जिला-उधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)-263153

हरियाली तीज महोत्सव में महिलाओं ने मचाया धमाल

बाजपुर(उद संवाददाता)। भारत विकास परिषद बाजपुर शाखा द्वारा संस्कार कार्यक्रम के अंतर्गत हरियाली तीज महोत्सव का रंगारंग आयोजन स्थानीय होटल सनशाइन में किया गया। पारंपरिक उत्सव के इस आयोजन की शुरुआत शाखा संरक्षक कुलदीप चौधरी, अध्यक्ष संजीव कश्यप और कार्यक्रम संयोजिका शैली गर्ग द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई।कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों की उत्साहजनक भागीदारी देखने को मिली। सभी ने पारंपरिक गीतों पर नृत्य किया और मनोरंजक खेलों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। माहौल में तीज के पारंपरिक उल्लास के साथ-साथ आधुनिकता की झलक भी दिखी। विभिन्न गेम्स में विजयी महिलाओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने हर महिला को तुलसी का पौधा भेंट स्वरूप देकर पर्यावरण संरक्षण और पारंपरिक मूल्यों के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया। इस सफल आयोजन में चंचल चौधरी, मनीषा जैन, समीक्षा जैन, अपूर्वा गर्ग, सोनाली गोयल, साक्षी गोयल, सीमा गोयल, कृतिका मित्तल, रिया बंसल, श्रुति जिंदल, तृप्ति कश्यप, अनु गर्ग, प्रदीप कौर, नीरू शर्मा, महक जैन एवं पूर्व अध्यक्ष मनोज जैन, शाखा सचिव जितेंद्र शर्मा, कोषाध्यक्ष भूपेंद्र वार्ष्णेय, धीरज जैन, रमेश गर्ग, पवन गोयल, गुरमीत निज्जर तथा प्रियांश बंसल का विशेष योगदान रहा।

पेज एक का शेष...

सरकार प्रत्येक वर्ग...पूर्ण हो रहे हैं, ऐसे ऐतिहासिक अवसर पर हमारे खटीमा में भी ज्ञान और विज्ञान के नए युग का सूत्रपात हो रहा है। आज के इस विशेष अवसर पर हमारे खटीमा को केंद्रीय विद्यालय की सौगात देने के लिए मैं, सभी खटीमा वासियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का हृदयतल से आभार व्यक्त करता हूँ। उन्होंने कहा कि केंद्रीय विद्यालय की शिक्षा हमारी सेना, अर्धसैनिक बलों तथा उन तमाम कार्मिकों के बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होती है, जिनका देश के विभिन्न हिस्सों में स्थानांतरण होता रहता है। यदि मेरे छात्र जीवन के दौरान खटीमा में केंद्रीय विद्यालय होता, तो शायद मैं, भी इसी विद्यालय का छात्र होता और मुझे भी शिक्षा के लिए खटीमा से बाहर नहीं जाना पड़ता। इसलिए विधायक रहते हुए मैंने खटीमा में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना हेतु हर संभव प्रयास किए और ये हम सभी के लिए अत्यंत गर्व का विषय है कि आज इस विद्यालय का लोकार्पण स्वयं देश के यशस्वी शिक्षा मंत्री जी के कर कमलों द्वारा संपन्न हो रहा है। श्री धामी ने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि खटीमा क्षेत्र में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना से यहाँ के बच्चों के लिए न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के नए द्वार खुलेंगे बल्कि ये विद्यालय हमारे बच्चों के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी देश का सामाजिक और आर्थिक विकास उसकी शिक्षा की गुणवत्ता पर निर्भर करता है। इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2020 में नई शिक्षा नीति के माध्यम से देश की शिक्षा व्यवस्था में व्यापक स्तर पर सुधार लाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया। उन्होंने कहा कि आज इस नीति के माध्यम से बच्चों को रोजगार परख शिक्षा के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने में भी सहायता मिल रही है। साथ ही, इसमें शोध और अनुसंधान को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे बच्चों और युवाओं में वैज्ञानिक सोच का विकास भी हो रहा है। ये हमारे लिए अत्यंत गर्व का विषय है कि नई शिक्षा नीति को लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य है। जिसके अंतर्गत हमने प्रदेश के 5600 से अधिक आंगनवाड़ी केन्द्रों में 'बालवाटिका' कक्षाओं की शुरुआत कर एक महत्वपूर्ण और दूरगामी शैक्षणिक पहल की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में हमारा राज्य शिक्षा के साथ-साथ प्रत्येक क्षेत्र में विकास और समृद्धि के नए आयाम स्थापित कर रहा है। और खटीमा तो मेरा घर है और आप सभी मेरा परिवार हैं, यहीं से मैंने जनसेवा की यात्रा आरंभ की थी, और इस क्षेत्र की प्रत्येक गली, प्रत्येक गाँव मेरे दिल के करीब है। उन्होंने कहा कि खटीमा की माटी और यहाँ के लोगों से मुझे जो ऊर्जा और प्रेरणा मिली है, उसी के बल पर मैं, प्रदेश के विकास के लिए कार्य कर रहा हूँ। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने खटीमा में स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल से लेकर बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। हमने जहां एक ओर खटीमा में हाईटेक बस स्टैंड, आधुनिक आईटीआई और पॉलीटेक्निक कॉलेज तथा 100 बेड के नए अस्पताल परिसर का निर्माण कर बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास को गति देने के लिए सिडकुल की स्थापना के साथ ही, युवाओं की खेल प्रतिभा को निखारने हेतु राष्ट्रीय स्तर के अत्याधुनिक खेल स्टेडियम का निर्माण भी कराया गया है। साथ ही, क्षेत्र में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने हेतु हमने गदरपुर और खटीमा बाईपास का निर्माण, नौसर में पुल के निर्माण के साथ-साथ पूरे क्षेत्र में सड़कों का व्यापक नेटवर्क विकसित किया है। यही नहीं, हाल ही में हमारी सरकार ने खटीमा और टनकपुर के बीच एक भव्य सैन्य स्मारक बनाने की भी घोषणा की है, जिस पर जल्द ही कार्य प्रारंभ हो जाएगा। श्री धामी ने कहा कि इतना ही नहीं, हमने एक ओर जहां राजकीय महाविद्यालय खटीमा में एमकॉम और एमएससी की कक्षाएं शुरू कराई, वहीं जनजाति बाहुल्य क्षेत्र में एकलव्य विद्यालय का संचालन भी प्रारंभ किया। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की लिस्ट इतनी लंबी है कि सभी के नाम ले पाना भी संभव नहीं है लेकिन मैं, इतना अवश्य कहूंगा कि आपका ये बेटा आगे भी खटीमा के विकास में कोई कमी नहीं आने देगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्य कर रही है। इसी का परिणाम है कि आज हमारा राज्य नीति आयोग की एसडीजी इंडेक्स रिपोर्ट में सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने में पूरे देश में प्रथम स्थान पर पहुंचा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार देने में भी हम अग्रणी राज्य बनकर उभरे हैं, हमने एक वर्ष में बेरोजगारी दर में रिकॉर्ड 4.4 प्रतिशत की कमी लाने में सफलता प्राप्त की है, जो राष्ट्रीय औसत से भी अधिक है, इतना ही नहीं, हमारी सरकार देवभूमि उत्तराखंड के सांस्कृतिक मूल्यों और डेमोग्राफी को संरक्षित रखने के प्रति भी पूर्ण रूप से संकल्पबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संकल्प के साथ, हमने जहां एक ओर प्रदेश में लैंड जिहाद, लव जिहाद और थूक जिहाद जैसी घृणित मानसिकताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की है, वहीं हमनें राज्य में सख्त दंगारोधी और धर्मांतरण विरोधी कानूनों को भी लागू किया है, इतना ही नहीं, हमने प्रदेश में लैंड जिहाद पर कड़ी कार्रवाई करते हुए साढ़े छह हजार एकड़ से अधिक की सरकारी भूमि को लैंड जिहादियों से मुक्त कराया है। इसके साथ ही 200 से अधिक अवैध मदरसों को सील करने के साथ ही 500 से अधिक अवैध संरचनाओ को भी हटाया है। उन्होंने कहा कि हमने प्रदेश में 'ऑपरेशन कालनेमि' भी प्रारंभ किया है जिसके माध्यम से हम राज्य में सनातन धर्म को बदनाम करने वाले पाखंडियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त, हमने राज्य हित में भी कई ऐतिहासिक फैसले लिए हैं, जिनको पूर्ववर्ती सरकारें अपने अपने राजनीतिक गुणाभाग के चक्कर में ठंडे बस्ते में डाल दिया करती थीं। हमने जहां एक ओर राज्य में समान नागरिक संहिता कानून लागू कर एक समरस समाज के निर्माण की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाया है वहीं, सख्त नकल विरोधी कानून द्वारा नकल माफिया की रीढ़ तोड़ने का काम किया है, जिसके परिणामस्वरूप आज राज्य के 23 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी प्राप्त हुई है। धामी ने कहा कि हम राज्य से भ्रष्टाचार रूपी दीमक को जड़ से समाप्त करने के लिए ष्जीरो टॉलरेंसश की नीति के तहत कार्य कर रहे हैं। इसी का परिणाम है कि पिछले तीन वर्षों में हमने भ्रष्टाचार में लिप्त आईएस, पीसीएस सहित करीब 200 से अधिक लोगों को जेल की सलाखों के पीछे पहुँचाया है।कार्यक्रम में मेयर विकास शर्मा, दर्जा मंत्री अनिल कपूर डब्बू, शंकर कोरंगा,नगर पालिका रमेश चंद जोशी, जिलाध्यक्ष भाजपा कमल जिंदल, पूर्व विधायक डॉ प्रेम सिंह राणा, राजेश शुक्ला, जिलाधिकारी/अध्यक्ष विद्यालय प्रबंधन केविके नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा, सीडीओ दिवेश शाशनी, डीएफओ हिमांशु बागरी, एएसपी डॉ उत्तम सिंह नेगी, प्राचार्य केंद्रीय विद्यालय त्रिभुवन प्रकाश आर्य सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षक व छात्र-छात्राएं आदि मौजूद थे।

गुलदार के हमले में ...युवक 32 वर्षीय संदीप कुमार निवासी रुड़की इन दिनों श्रीनगर क्षेत्र में रह रहा था। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे संयुक्त अस्पताल श्रीनगर पहुंचाया, जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे श्रीकोट स्थित बेस अस्पताल रेफर कर दिया। चिकित्सकों के अनुसार संदीप के शरीर पर गहरे पंजों के निशान हैं और अत्यधिक रक्तस्राव के चलते उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। उधर रुद्रप्रयाग जिले के अगस्त्यमुनि ब्लॉक अंतर्गत धान्यों गांव में सोमवार देर रात एक गुलदार ने घर के भीतर सो रही महिला पर हमला कर दिया। हमले के दौरान गुलदार ने लकड़ी का दरवाजा तोड़कर महिला को कमरे से बाहर खींचने का प्रयास किया। शोर सुनकर महिला के पति ने साहस दिखाते हुए लाठी से गुलदार पर हमला कर किसी तरह पत्नी को छुड़ाया। घायल महिला कुशला देवी को गंभीर हालत में अगस्त्यमुनि अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गुलदार के नुकीले पंजों से महिला के चेहरे और नाक पर गहरे घाव हुए हैं। अगस्त्यमुनि क्षेत्र में बीते एक सप्ताह के भीतर यह गुलदार का दूसरा हमला है। इससे पहले एक अन्य महिला को गौशाला में गुलदार ने घायल कर दिया था। वहीं श्रीनगर के गंगादर्शन क्षेत्र में भी बीते दिनों दो अलग-अलग व्यक्तियों पर गुलदार हमला कर चुका है। लगातार हो रहे इन हमलों से ग्रामीणों में भय का माहौल है। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शाम ढलते ही घरों में कैद हो जाते हैं, जबकि अकेले बाहर निकलना अब मुश्किल हो गया है। श्रीनगर क्षेत्र के निवासियों ने बताया कि गंगादर्शन मार्ग और आसपास के इलाकों में शाम होते ही सन्नाटा पसर जाता है। वहीं अगस्त्यमुनि के ग्रामीणों ने वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए त्वरित कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों की मांग है कि वन विभाग गुलदार को शीघ्र पकड़ने के लिए पिंजरा लगाए और क्षेत्र में गश्त बढ़ाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। वन विभाग के अधिकारियों ने दोनों मामलों की पुष्टि करते हुए बताया कि क्षेत्र में पिंजरे लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और कैमरे भी लगाए जाएंगे, ताकि गुलदार की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके।

मरीज की मौत पर ....को रैफर करने की बात कह रहा था तो कभी भर्ती करने की। इससे उसकी हालत ओर तेजी से बिगड़ने लगी थी । वहीं समय पर एम्बुलेंस भी नहीं मिल पाई। हंगामे की जानकारी मिलने पर सिडकुल चौकी पुलिस कर्मी चिकित्सालय पहुंचे और उन्होंने परिजनों से बातचीत कर उन्हें समझाबुझाकर शांत किया और शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाऊस भिजवाया। मामले की जानकारी मिलने पर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल मोर्चरी आ गये जहां उन्होंने जिला चिकित्सालय की व्यवस्थाओं पर आरोपों की झड़ी लगाते हुए कहा कि यह अस्पताल मात्र रैफर सेंटर बनकर रह गया है। उनका आरोप था कि चिकित्सालय में नाबालिग बच्चे भी मरीजों का इलाज करने लगे हैं। समय पर एम्बुलेंस भी नहीं मिल पाती है। यदि आज समय पर एम्बुलेंस मिल जाती तो सपन की जान बच सकती थी। उन्होंने जनप्रतिनिधि पर भी कटाक्ष कसते हुए कहा कि उन्हें सिर्फ बोलना आता है काम करना नहीं। जिला चिकित्सालय की अव्यवस्थायें उन्हें दिखाई नहीं दे रही हैं। मृतक सपनशील का एक पुत्र 17 वर्षीय सुमित शील व पुत्री साक्षी है। मृतक सपन तीन भाईयों में सबसे छोटे थे।

किस ब्लॉक में ...पर बढ़त मिल सकती है। बाजपुर ब्लॉक की 5 सीटों में से 3 पर भाजपा व निर्दलीय और 2 पर कांग्रेस को बढ़त के संकेत हैं। काशीपुर ब्लॉक की सीटों पर कांग्रेस को 2 और भाजपा को 1 सीट मिलने की संभावना है। जसपुर ब्लॉक में 5 में से 3 पर कांग्रेस और 2 पर भाजपा को बढ़त मिलने के आसार हैं। उत्तरांचल दर्पण के सर्वेक्षण के अनुसार, जिले की 35 जिला पंचायत सीटों में से भाजपा समर्थित उम्मीदवारों को 17 से 20 सीटें, कांग्रेस समर्थित को 14 से 17 सीटें और निर्दलीय को 4 से 6 सीटें मिल सकती हैं। इतना तो है कि जिला पंचायत में भाजपा को पूर्ण भागवत मिल रहा है। और उम्मीद जताई जा रही है कि निर्दलीय उम्मीदवारों भी भाजपा का साथ देंगे। निर्दलीयों के समर्थन से भाजपा बहुमत से काफी अधिक सीटें प्राप्त कर लेगी। इन संकेतों के आधार पर यह तय माना जा रहा है कि जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी इस बार भी भाजपा के खाते में जाएगी और कमल एक बार फिर खिलेगा

पड़ोसी ने लगाया करंट...आरोप लगाया कि घटना के बाद आरोपी तार और कुंडी निकालकर फरार हो गए। घटना से मृतका के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मृतका की बेटियों और पति का रो-रो कर बुरा हाल है। उनका आरोप है कि जान पूछ कर उनकी पत्नी को मौत के घाट उतारा गया है। उन्होंने पुलिस से न्याय की मांग की है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

किच्छा मार्ग पर ...पीछे से जा भिड़ी। तभी तेज गति से सरिया भरे ट्रक संख्या पीबी 11 बीएफ 4189 का चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया और ट्रक सामने चिकित्सक की कार से पीछे से जा टकराया। इस दुर्घटना में चिकित्सक की कार दोनों ओर से क्षतिग्रस्त हो गई। हांलाकि इस दुर्घटना में उन्हें गंभीर चोट नही आई। एक साथ तीन वाहनों में टक्कर होने से मौके पर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। जिससे यातायात बाधित होने लगा। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिसकर्मी भी मौके पर आ गये और उन्होंने घटना की जानकारी लेकर यातायात सुचारू कराया।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रूद्रपुर,ऊधमसिंहनगर (उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

'भगदड़' के बाद 'एक्शन मोड' में 'सीएम धामी'

-अर्श-

देहरादून।हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर परिसर में भगदड़ की घटना में श्रद्धालुओं की मौत से व्यथित मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इस समय एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं । भगदड़ की घटना में मृत एवं एवं घायल व्यक्तियों के परिजनों को मुआवजा दिए जाने तथा भगदड़ की घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश के बाद सीएम धामी ने बीते रोज प्रशासन के अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की, जिसमें उन्होंने धार्मिक स्थलों पर क्राउड मैनेजमेंट की एक नई व्यू रचना पर काम शुरू करने के निर्देश दिए ।सीएम धामी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश के सभी धार्मिक स्थलों में श्रद्धालुओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिससे मनसा देवी मंदिर भगदड़ जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति से बचा जा सके । बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों जैसे हरिद्वार में मनसा देवी तथा चंडी देवी मंदिर, टनकपुर में पूर्णागिरि धाम, नैनीताल में कैंची धाम, अल्मोड़ा में जागेश्वर मंदिर और पौड़ी में नीलकंठ महादेव मंदिर आदि में श्रद्धालुओं की संख्या को ध्यान में रख कर आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएं। उन्होंने कहा कि इन मंदिरों में भीड़ प्रबंधन, श्रद्धालुओं का पंजीकरण, पैदल मार्गों और सीढ़ियों का चौड़ीकरण, अतिक्रमण हटाने तथा अन्य सभी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए ताकि श्रद्धालुओं को सुगम एवं सुरक्षित दर्शन अनुभव प्राप्त हो। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इसके लिए गढ़वाल और कुमांउ मंडल में आयुक्तों की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया जाए ,जिसमें संबंधित जिलों के जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, विकास प्राधिकरणों के उपाध्यक्ष एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सदस्य के रूप में शामिल किया जाए। धामी ने विशेष रूप से मनसा देवी मंदिर परिसर के सुनियोजित विकास, वहन क्षमता में वृद्धि और व्यवस्थित दुकान प्रबंधन पर बल देते हुए श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की व्यवस्था को सुदृढ़, सुव्यवस्थित और सुगम बनाने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं का अनिवार्य पंजीकरण तथा श्रद्धालुओं की संख्या नियंत्रित करते हुए दर्शन की चरणबद्ध व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भीड़ नियंत्रण में रहे और किसी श्रद्धालु को कोई असुविधा न हो। उधर, खबर है कि मुख्यमंत्री के उपरोक्त निर्देशों पर आईजी गढ़वाल ने तत्काल अमल भी आरंभ कर दिया है और अब से गढ़वाल रेंज में आने वाले सभी धामों और मंदिरों की सुरक्षा-व्यवस्था की जिम्मेदारी सीओ रैंक के अधिकारी को दी गई है। आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने मीडिया को बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद जिलों के पुलिस प्रभारियों को निर्देश जारी किए गए हैं कि एक महीने में दो बार सीओ रैंक का अधिकारी धामों और मंदिरों, खासकर मनसा देवी व चंडी देवी मंदिर में जाकर सुरक्षा इंतजामों और क्राउड मैनेजमेंट (भीड़ प्रबंधन) का जायजा लेंगे। इसके अलावा गढ़वाल रेंज के सभी प्रमुख धामों और मंदिरों में इंस्पेक्टर व सब इंस्पेक्टर की ड्यूटी 24 घंटे के लिए लगाने के साथ पुलिस बल की तैनाती भी की गई है। आईजी गढ़वाल के अनुसार गढ़वाल मंडल के सभी धामों और पौराणिक मंदिर, जहां पर बड़ी संख्या में भक्त आते हैं, वहां के लिए एसओपी पहले ही जारी की जा चुकी है। फिर भी हरिद्वार मनसा देवी मंदिर की घटना को देखते हुए सभी जिलों के पुलिस-प्रभारियों को अपने यहां के ऐसे मंदिरों की सुरक्षा की समीक्षा नए सिरे से करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि कहीं कोई कमी दिखे तो उसे दुरुस्त किया जाए। आईजी गढ़वाल ने आगे बताया कि मनसा देवी चंडी और चंडी देवी में एसडीआरएफ को तैनात कर दिया है तथा इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर भी 24 घंटे मंदिर में तैनात रहेंगे। इसके साथ ही जिला प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर एक सर्वे किया जाएगा, जहां कहीं भी कमियां हैं, उनको दुरुस्त किया जाएगा तथा प्रत्येक 15 दिन में गढ़वाल रेंज स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली जाएगी।

"क्राउड मैनेजमेंट की नई व्यू रचना पर काम शुरू करने के दिए निर्देश, सीएम धामी के निर्देश के बाद हरकत में आईजी गढ़वाल, सभी प्रमुख धामों और मंदिरों में इंस्पेक्टर व सब इंस्पेक्टर की ड्यूटी 24 घंटे के लिए लगाने के साथ पुलिस बल की तैनाती

शोरूम में जलभराव से भारी नुकसान

शक्तिफार्म(उद संवाददाता)। भीषण गर्मी के बीच बरसात से कई लोगों को राहत तो कुछ लोगों के लिए बारिश का पानी जी का जंजाल बन गया। बारिश का पानी से कुछ लोगों को भारी नुकसान भी हुआ। शक्तिफार्म के कुसमौठ तिराहे के पास शनिवार रात हुई मूसलाधार वर्षा से एक बाइक शोरूम के बेसमेंट में पानी भर गया। जिससे करीब आधा दर्जन दो पहिया वाहन पानी में डूब गए। इसके अलावा स्पेयर पार्ट्स और अन्य सामान भी पानी में भीगने से खराब हो गए। तिराहे में नाली से पानी की निकासी पूरी नहीं होने के कारण पानी शोरूम के बेसमेंट में भर गया। शोरूम स्वामी नरेश साना ने बताया कि पानी भरने से बेसमेंट में खड़े दो पहिया वाहनों और स्पेयर पार्ट्स को काफी नुकसान हुआ है।